



*Tibetan Buddhist Resource Center*

**Text Scan Input Form - Title Page**

|              |           |                    |           |
|--------------|-----------|--------------------|-----------|
| <b>Work:</b> | W3CN20423 | <b>ImageGroup:</b> | I3CN20431 |
| <b>LCCN:</b> | n/a       | <b>ISBN:</b>       | n/a       |

|                              |                                                                                                                                           |
|------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <b>Title:</b>                | འབྲོག་ཁུལ་རྒྱ་རྩོར་སོགས་སུ་དར་བའི་ལག་བྲིས་གྲོང་ཚོག་ཕྱོགས་བསྟུས།<br>'brog khul rgya hor sogs su dar ba'i lag bris grong chog phyogs bsdus/ |
| <b>Author:</b>               | n/a                                                                                                                                       |
| <b>Descriptor:</b>           | n/a                                                                                                                                       |
| <b>Original Publication:</b> | n/a;n/a                                                                                                                                   |
| <b>Place:</b>                | [s.l.]                                                                                                                                    |
| <b>Publisher:</b>            | [s.n.]                                                                                                                                    |
| <b>Date:</b>                 | [n.d.]                                                                                                                                    |
| <b>Volume:</b>               | 7                                                                                                                                         |
| <b>Total Volumes:</b>        | 17                                                                                                                                        |
| <b>TBRC Pages:</b>           | 2                                                                                                                                         |
| <b>Introductory Pages:</b>   | n/a                                                                                                                                       |
| <b>Text Pages:</b>           | n/a                                                                                                                                       |
| <b>Scanning Information:</b> | Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor, Cambridge, Mass. 02138. Comments: 19                      |





Leela



卷之六

ॐ श्री गुरु । देवता च नमस्कृत्य नमो नमो नमो नमो ।  
 भुवनदीपक । नमो भुवनेश्वर । नमो भुवनेश्वर ।  
 नमो भुवनेश्वर । नमो भुवनेश्वर । नमो भुवनेश्वर ।  
 नमो भुवनेश्वर । नमो भुवनेश्वर । नमो भुवनेश्वर ।



[illegible]

[illegible]



|                       | ཁྱིམ་ | རྒྱུ་ | མི་ | ལྷན་ | ཐུག་ | མཉམ་ | ལྷན་ | ལྷན་ |                                    |
|-----------------------|-------|-------|-----|------|------|------|------|------|------------------------------------|
| ལྷན་གྲུ་ལ་མི་མཉམ་ཐུག་ | ༠     | ༥     | ༩   | ༡༤   | ༡༩   | ༢༤   | ༢༩   | ༣༤   | ལྷན་གྲུ་ལ་མི་མཉམ་ཐུག་ལ་མི་མཉམ་ཐུག་ |
| ལྷན་གྲུ་ལ་མི་མཉམ་ཐུག་ | ༡     | ༦     | ༡༠  | ༡༥   | ༢༠   | ༢༥   | ༣༠   | ༣༥   | ལྷན་གྲུ་ལ་མི་མཉམ་ཐུག་ལ་མི་མཉམ་ཐུག་ |
| ལྷན་གྲུ་ལ་མི་མཉམ་ཐུག་ | ༢     | ༧     | ༡༡  | ༡༦   | ༢༡   | ༢༦   | ༣༡   | ༣༦   | ལྷན་གྲུ་ལ་མི་མཉམ་ཐུག་ལ་མི་མཉམ་ཐུག་ |
| ལྷན་གྲུ་ལ་མི་མཉམ་ཐུག་ | ༣     | ༨     | ༡༢  | ༡༧   | ༢༢   | ༢༧   | ༣༢   | ༣༧   | ལྷན་གྲུ་ལ་མི་མཉམ་ཐུག་ལ་མི་མཉམ་ཐུག་ |
| ལྷན་གྲུ་ལ་མི་མཉམ་ཐུག་ | ༤     | ༩     | ༡༣  | ༡༨   | ༢༣   | ༢༨   | ༣༣   | ༣༨   | ལྷན་གྲུ་ལ་མི་མཉམ་ཐུག་ལ་མི་མཉམ་ཐུག་ |
| ལྷན་གྲུ་ལ་མི་མཉམ་ཐུག་ | ༥     | ༡༠    | ༡༤  | ༡༩   | ༢༤   | ༢༩   | ༣༤   | ༣༩   | ལྷན་གྲུ་ལ་མི་མཉམ་ཐུག་ལ་མི་མཉམ་ཐུག་ |

|                                 |    |    |    |    |    |    |    |    |                           |
|---------------------------------|----|----|----|----|----|----|----|----|---------------------------|
| १) कुपयकं नमः नमः नमः नमः नमः ॥ | ८  | २० | २० | २५ | ३० | ३५ | ४० | ४५ | १) लयलकं नमः नमः नमः ॥    |
| २) नमः नमः नमः नमः नमः ॥        | १० | २० | २५ | ३० | ३५ | ४० | ४५ | ५० | २) नमः नमः नमः नमः नमः ॥  |
| ३) नमः नमः नमः नमः नमः ॥        | १५ | २० | २५ | ३० | ३५ | ४० | ४५ | ५० | ३) नमः नमः नमः नमः नमः ॥  |
| ४) नमः नमः नमः नमः नमः ॥        | २० | २५ | ३० | ३५ | ४० | ४५ | ५० | ५५ | ४) नमः नमः नमः नमः नमः ॥  |
| ५) नमः नमः नमः नमः नमः ॥        | २५ | ३० | ३५ | ४० | ४५ | ५० | ५५ | ६० | ५) नमः नमः नमः नमः नमः ॥  |
| ६) नमः नमः नमः नमः नमः ॥        | ३० | ३५ | ४० | ४५ | ५० | ५५ | ६० | ६५ | ६) नमः नमः नमः नमः नमः ॥  |
| ७) नमः नमः नमः नमः नमः ॥        | ३५ | ४० | ४५ | ५० | ५५ | ६० | ६५ | ७० | ७) नमः नमः नमः नमः नमः ॥  |
| ८) नमः नमः नमः नमः नमः ॥        | ४० | ४५ | ५० | ५५ | ६० | ६५ | ७० | ७५ | ८) नमः नमः नमः नमः नमः ॥  |
| ९) नमः नमः नमः नमः नमः ॥        | ४५ | ५० | ५५ | ६० | ६५ | ७० | ७५ | ८० | ९) नमः नमः नमः नमः नमः ॥  |
| १०) नमः नमः नमः नमः नमः ॥       | ५० | ५५ | ६० | ६५ | ७० | ७५ | ८० | ८५ | १०) नमः नमः नमः नमः नमः ॥ |

॥ गणेशाय नमः ॥

कुसुमपत्रिका

ਅੰਕ ੨੨੭੧ ਅਤੇ ੨੨੮੨

ਅੰਤਰਿਯੁਗਲਾਤਮਿਯੋਸ਼ੀ

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥

बहुत पक्का और दिग्गज मर ॥

འདུ་མིལ་ནི་དག་པ་ལྟེན་པ།

11 50 21 3 24 2 6 20 24

11 54 37 22 15 10 2 27 56

22 20 27 0 6 4 28 22

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

1 2 3 4 5 6 7 8 9

7/22 25 m 2 20 24 20

10. 11. 20 0 1 2 3 4

རྒྱལ་སྤྲུང་དཔེ་སྟོན་གླིང་།

सर्वप्राणस्यैव ब्रह्म

ཀུན་གྱིས་བྲོ་བར་འདོད་པ་ལྟར།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཡེལ་འདྲིའི་མཁའ་འགྲུལ་དུ་ཆོའ་ཡོད།

ཆེད་ཀྱིས་ལུས་པ་དཔྱད།

शुद्धममल्लमयं रत्नं शुद्धम्

[illegible]

3

|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| 22 | 2  | 24 | 24 | 20 | 24 | 24 | 2  | 2  | 0  | 23 | 0  | 0  | 2  | 20 | 22 | 23 | 23 | 22 | 24 | 20 | 2  |
| 23 | 24 | 23 | 22 | 22 | 2  | 2  | 20 | 20 | 24 | 24 | 23 | 23 | 23 | 2  | 24 | 20 | 24 | 24 | 23 | 2  | 24 |
| 0  | 4  | 24 | 24 | 24 | 20 | 20 | 2  | 0  | 4  | 20 | 2  | 2  | 2  | 22 | 20 | 20 | 20 | 0  | 20 | 20 | 4  |
| 20 | 24 | 2  | 2  | 2  | 23 | 23 | 20 | 20 | 24 | 2  | 20 | 2  | 20 | 2  | 23 | 24 | 2  | 2  | 22 | 22 | 24 |
| 2  | 23 | 0  | 2  | 0  | 22 | 22 | 24 | 24 | 20 | 0  | 22 | 22 | 0  | 0  | 23 | 20 | 20 | 24 | 2  | 22 | 22 |
| 20 | 2  | 20 | 20 | 20 | 2  | 2  | 0  | 0  | 2  | 0  | 2  | 23 | 2  | 2  | 2  | 2  | 2  | 0  | 0  | 20 | 2  |
| 2  | 22 | 20 | 24 | 20 | 2  | 24 | 20 | 22 | 22 | 20 | 24 | 23 | 22 | 22 | 20 | 20 | 20 | 20 | 2  | 2  | 20 |

|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| 24 | 25 | 20 | 25 | 25 | 25 | 2  | 2  | 22 | 24 | 27 | 24 | 24 | 20 | 20 | 2  | 23 | 22 |
| 30 | 30 | 21 | 25 | 20 | 20 | 4  | 24 | 24 | 23 | 24 | 22 | 22 | 20 | 22 | 4  | 24 | 20 |
| 24 | 25 | 2  | 20 | 20 | 22 | 24 | 2  | 0  | 20 | 4  | 22 | 22 | 22 | 20 | 4  | 20 | 24 |
| 2  | 2  | 27 | 0  | 0  | 0  | 0  | 2  | 22 | 2  | 2  | 22 | 27 | 24 | 20 | 24 | 24 | 24 |
| 5  | 5  | 2  | 0  | 0  | 0  | 24 | 24 | 24 | 4  | 25 | 22 | 22 | 22 | 24 | 23 | 22 | 25 |
| 30 | 30 | 0  | 2  | 2  | 2  | 25 | 20 | 20 | 0  | 2  | 22 | 22 | 5  | 20 | 22 | 22 | 22 |
| 30 | 30 | 30 | 22 | 22 | 22 | 22 | 22 | 22 | 22 | 22 | 24 | 2  | 2  | 20 | 20 | 24 | 20 |







॥ वाचं धेनुमुपासीत ॥

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥

१७०० श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ਸੇ ਪਰਿ ਆਰਥ ਪਤਿ ਨਾਮੁ ਧਾਰਯਦਿਉ ॥

अथाहं भद्रं वाचं विनामस्य भद्रं विभुः ॥

विनामस्य भद्रं विनामस्य भद्रं विभुः ॥

विनामस्य भद्रं विनामस्य भद्रं विभुः ॥

दशरथं वाचं विनामस्य भद्रं विभुः ॥

दशरथं वाचं विनामस्य भद्रं विभुः ॥

दशरथं वाचं विनामस्य भद्रं विभुः ॥

दशरथं वाचं विनामस्य भद्रं विभुः ॥

दशरथं वाचं विनामस्य भद्रं विभुः ॥

विनामस्य भद्रं विनामस्य भद्रं विभुः ॥

विनामस्य भद्रं विनामस्य भद्रं विभुः ॥

विनामस्य भद्रं विनामस्य भद्रं विभुः ॥

विनामस्य भद्रं विनामस्य भद्रं विभुः ॥

विनामस्य भद्रं विनामस्य भद्रं विभुः ॥





॥ श्री गणेशाय नमः ॥

[illegible]

ਸ੍ਰੀ ਭਗਵੰਤ ਸਿੰਘ ਸਰ: ਸ਼ਰਧਾ ਧਰਮ

[illegible]

पुनः प्रारम्भः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

|   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

५ ३० ३५ ४ ४० ४५ ५० ५५ ६० ६५ ७० ७५ ८० ८५ ९० ९५ १००  
 ॥ ३॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]



1925

明  
人  
文  
藝  
叢  
書

400  
20  
2  
2  
2  
2  
2  
2  
2

$\frac{100}{20}$   
 $\frac{20}{20}$   
 $20$   
 $0$   
 $\frac{100}{20}$   
 $\frac{20}{20}$   
 $20$   
 $0$

10  
 11  
 12  
 13  
 14  
 15  
 16  
 17  
 18  
 19  
 20  
 21  
 22  
 23  
 24  
 25  
 26  
 27  
 28  
 29  
 30  
 31  
 32  
 33  
 34  
 35  
 36  
 37  
 38  
 39  
 40  
 41  
 42  
 43  
 44  
 45  
 46  
 47  
 48  
 49  
 50  
 51  
 52  
 53  
 54  
 55  
 56  
 57  
 58  
 59  
 60  
 61  
 62  
 63  
 64  
 65  
 66  
 67  
 68  
 69  
 70  
 71  
 72  
 73  
 74  
 75  
 76  
 77  
 78  
 79  
 80  
 81  
 82  
 83  
 84  
 85  
 86  
 87  
 88  
 89  
 90  
 91  
 92  
 93  
 94  
 95  
 96  
 97  
 98  
 99  
 100  
 101  
 102  
 103  
 104  
 105  
 106  
 107  
 108  
 109  
 110  
 111  
 112  
 113  
 114  
 115  
 116  
 117  
 118  
 119  
 120  
 121  
 122  
 123  
 124  
 125  
 126  
 127  
 128  
 129  
 130  
 131  
 132  
 133  
 134  
 135  
 136  
 137  
 138  
 139  
 140  
 141  
 142  
 143  
 144  
 145  
 146  
 147  
 148  
 149  
 150  
 151  
 152  
 153  
 154  
 155  
 156  
 157  
 158  
 159  
 160  
 161  
 162  
 163  
 164  
 165  
 166  
 167  
 168  
 169  
 170  
 171  
 172  
 173  
 174  
 175  
 176  
 177  
 178  
 179  
 180  
 181  
 182  
 183  
 184  
 185  
 186  
 187  
 188  
 189  
 190  
 191  
 192  
 193  
 194  
 195  
 196  
 197  
 198  
 199  
 200  
 201  
 202  
 203  
 204  
 205  
 206  
 207  
 208  
 209  
 210  
 211  
 212  
 213  
 214  
 215  
 216  
 217  
 218  
 219  
 220  
 221  
 222  
 223  
 224  
 225  
 226  
 227  
 228  
 229  
 230  
 231  
 232  
 233  
 234  
 235  
 236  
 237  
 238  
 239  
 240  
 241  
 242  
 243  
 244  
 245  
 246  
 247  
 248  
 249  
 250  
 251  
 252  
 253  
 254  
 255  
 256  
 257  
 258  
 259  
 260  
 261  
 262  
 263  
 264  
 265  
 266  
 267  
 268  
 269  
 270  
 271  
 272  
 273  
 274  
 275  
 276  
 277  
 278  
 279  
 280  
 281  
 282  
 283  
 284  
 285  
 286  
 287  
 288  
 289  
 290  
 291  
 292  
 293  
 294  
 295  
 296  
 297  
 298  
 299  
 300  
 301  
 302  
 303  
 304  
 305  
 306  
 307  
 308  
 309  
 310  
 311  
 312  
 313  
 314  
 315  
 316  
 317  
 318  
 319  
 320  
 321  
 322  
 323  
 324  
 325  
 326  
 327  
 328  
 329  
 330  
 331  
 332  
 333  
 334  
 335  
 336  
 337  
 338  
 339  
 340  
 341  
 342  
 343  
 344  
 345  
 346  
 347  
 348  
 349  
 350  
 351  
 352  
 353  
 354  
 355  
 356  
 357  
 358  
 359  
 360  
 361  
 362  
 363  
 364  
 365  
 366  
 367  
 368  
 369  
 370  
 371  
 372  
 373  
 374  
 375  
 376  
 377  
 378  
 379  
 380  
 381  
 382  
 383  
 384  
 385  
 386  
 387  
 388  
 389  
 390  
 391  
 392  
 393  
 394  
 395  
 396  
 397  
 398  
 399  
 400  
 401  
 402  
 403  
 404  
 405  
 406  
 407  
 408  
 409  
 410  
 411  
 412  
 413  
 414  
 415  
 416  
 417  
 418  
 419  
 420  
 421  
 422  
 423  
 424  
 425  
 426  
 427  
 428  
 429  
 430  
 431  
 432  
 433  
 434  
 435  
 436  
 437  
 438  
 439  
 440  
 441  
 442  
 443  
 444  
 445  
 446  
 447  
 448  
 449  
 450  
 451  
 452  
 453  
 454  
 455  
 456  
 457  
 458  
 459  
 460  
 461  
 462  
 463  
 464  
 465  
 466  
 467  
 468  
 469  
 470  
 471  
 472  
 473  
 474  
 475  
 476  
 477  
 478  
 479  
 480  
 481  
 482  
 483  
 484  
 485  
 486  
 487  
 488  
 489  
 490  
 491  
 492  
 493  
 494  
 495  
 496  
 497  
 498  
 499  
 500  
 501  
 502  
 503  
 504  
 505  
 506  
 507  
 508  
 509  
 510  
 511  
 512  
 513  
 514  
 515  
 516  
 517  
 518  
 519  
 520  
 521  
 522  
 523  
 524  
 525  
 526  
 527  
 528  
 529  
 530  
 531  
 532

१  
 २८  
 ३५  
 ४२  
 ४९  
 ५६  
 ६३  
 ७०  
 ७७  
 ८४

24  
 25  
 26  
 27  
 28  
 29  
 30  
 31  
 32  
 33  
 34  
 35  
 36  
 37  
 38  
 39  
 40  
 41  
 42  
 43  
 44  
 45  
 46  
 47  
 48  
 49  
 50  
 51  
 52  
 53  
 54  
 55  
 56  
 57  
 58  
 59  
 60  
 61  
 62  
 63  
 64  
 65  
 66  
 67  
 68  
 69  
 70  
 71  
 72  
 73  
 74  
 75  
 76  
 77  
 78  
 79  
 80  
 81  
 82  
 83  
 84  
 85  
 86  
 87  
 88  
 89  
 90  
 91  
 92  
 93  
 94  
 95  
 96  
 97  
 98  
 99  
 100

23  
22  
21  
20  
19  
18  
17

9  
x  
22  
22  

---

20  
20  

---

2  
2

20  
 20  
 30  
 4  
 24  
 30  
 30  
 30  
 30  
 2

240  
50  
2  
C  
~~2~~  
2  
C  
X

20  
 21  
 22  
 23  
 24  
 25  
 26  
 27  
 28  
 29  
 30

10  
 20  
 30  
 40  
 50  
 60  
 70  
 80  
 90  
 100

[illegible]

[illegible]

२०००

| ११       | १२       | १३       | १४       | १५       | १६       | १७       | १८       | १९       | २०       | २१       | २२       | २३       |
|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|
| १०       | २०       | ३०       | ४०       | ५०       | ६०       | ७०       | ८०       | ९०       | १००      | ११०      | १२०      | १३०      |
| १३३३३३३३ | १३३३३३३३ | १३३३३३३३ | १३३३३३३३ | १३३३३३३३ | १३३३३३३३ | १३३३३३३३ | १३३३३३३३ | १३३३३३३३ | १३३३३३३३ | १३३३३३३३ | १३३३३३३३ | १३३३३३३३ |
| २        | २०       | २५       | २        | २        | २२       | २        | १        | २५       | २०       | २०       | २०       | २०       |
| २५       | २५       | २५       | २५       | २५       | २५       | २५       | २५       | २५       | २५       | २५       | २५       | २५       |
| १३३३३३३३ | १३३३३३३३ | १३३३३३३३ | १३३३३३३३ | १३३३३३३३ | १३३३३३३३ | १३३३३३३३ | १३३३३३३३ | १३३३३३३३ | १३३३३३३३ | १३३३३३३३ | १३३३३३३३ | १३३३३३३३ |
| ३        | २०       | २५       | २        | २७       | २५       | २        | २५       | २२       | २        | २०       | २०       | २०       |
| २०       | २०       | २५       | २५       | २०       | २०       | २५       | २५       | २०       | २०       | २०       | २०       | २०       |
| २०       | २०       | २५       | २५       | २०       | २०       | २५       | २५       | २०       | २०       | २०       | २०       | २०       |



卷之四

一  
 二  
 三  
 四  
 五  
 六  
 七  
 八  
 九  
 十

229  
 230  
 231  
 232  
 233  
 234  
 235  
 236  
 237  
 238  
 239  
 240  
 241  
 242  
 243  
 244  
 245  
 246  
 247  
 248  
 249  
 250  
 251  
 252  
 253  
 254  
 255  
 256  
 257  
 258  
 259  
 260  
 261  
 262  
 263  
 264  
 265  
 266  
 267  
 268  
 269  
 270  
 271  
 272  
 273  
 274  
 275  
 276  
 277  
 278  
 279  
 280  
 281  
 282  
 283  
 284  
 285  
 286  
 287  
 288  
 289  
 290  
 291  
 292  
 293  
 294  
 295  
 296  
 297  
 298  
 299  
 300  
 301  
 302  
 303  
 304  
 305  
 306  
 307  
 308  
 309  
 310  
 311  
 312  
 313  
 314  
 315  
 316  
 317  
 318  
 319  
 320  
 321  
 322  
 323  
 324  
 325  
 326  
 327  
 328  
 329  
 330  
 331  
 332  
 333  
 334  
 335  
 336  
 337  
 338  
 339  
 340  
 341  
 342  
 343  
 344  
 345  
 346  
 347  
 348  
 349  
 350  
 351  
 352  
 353  
 354  
 355  
 356  
 357  
 358  
 359  
 360  
 361  
 362  
 363  
 364  
 365  
 366  
 367  
 368  
 369  
 370  
 371  
 372  
 373  
 374  
 375  
 376  
 377  
 378  
 379  
 380  
 381  
 382  
 383  
 384  
 385  
 386  
 387  
 388  
 389  
 390  
 391  
 392  
 393  
 394  
 395  
 396  
 397  
 398  
 399  
 400  
 401  
 402  
 403  
 404  
 405  
 406  
 407  
 408  
 409  
 410  
 411  
 412  
 413  
 414  
 415  
 416  
 417  
 418  
 419  
 420  
 421  
 422  
 423  
 424  
 425  
 426  
 427  
 428  
 429  
 430  
 431  
 432  
 433  
 434  
 435  
 436  
 437  
 438  
 439  
 440  
 441  
 442  
 443  
 444  
 445  
 446  
 447  
 448  
 449  
 450  
 451  
 452  
 453  
 454  
 455  
 456  
 457  
 458  
 459  
 460  
 461  
 462  
 463  
 464  
 465  
 466  
 467  
 468  
 469  
 470  
 471  
 472  
 473  
 474  
 475  
 476  
 477  
 478  
 479  
 480  
 481  
 482  
 483  
 484  
 485  
 486  
 487  
 488  
 489  
 490  
 491  
 492  
 493  
 494  
 495  
 496  
 497  
 498  
 499  
 500  
 501  
 502  
 503  
 504  
 505  
 506  
 507  
 508  
 509  
 510  
 511  
 512  
 513  
 514  
 515  
 516  
 517  
 518  
 519  
 520  
 521  
 522  
 523  
 524  
 525  
 526  
 527  
 528  
 529  
 530  
 531  
 532  
 533  
 534  
 535  
 536  
 537  
 538  
 539  
 540  
 541  
 542  
 543  
 544  
 545  
 546  
 547  
 548  
 549  
 550  
 551  
 552  
 553  
 554  
 555  
 556  
 557  
 558  
 559  
 560  
 561  
 562  
 563  
 564  
 565  
 566  
 567  
 568  
 569  
 570  
 571  
 572  
 573  
 574  
 575  
 576  
 577  
 578  
 579  
 580  
 581  
 582  
 583  
 584  
 585  
 586  
 587  
 588  
 589  
 590  
 591  
 592  
 593  
 594  
 595  
 596  
 597  
 598  
 599  
 600  
 601  
 602  
 603  
 604  
 605  
 606  
 607  
 608  
 609  
 610  
 611  
 612  
 613  
 614  
 615  
 616  
 617  
 618  
 619  
 620  
 621  
 622  
 623  
 624  
 625  
 626  
 627  
 628  
 629  
 630  
 631  
 632  
 633  
 634  
 635  
 636  
 637  
 638  
 639  
 640  
 641  
 642  
 643  
 644  
 645  
 646  
 647  
 648  
 649  
 650  
 651  
 652  
 653  
 654  
 655  
 656  
 657  
 658  
 659  
 660  
 661  
 662  
 663  
 664  
 665  
 666  
 667  
 668  
 669  
 670  
 671  
 672  
 673  
 674  
 675  
 676  
 677  
 678  
 679  
 680  
 681  
 682  
 683  
 684  
 685  
 686  
 687  
 688  
 689  
 690  
 691  
 692  
 693  
 694  
 695  
 696  
 697  
 698  
 699  
 700  
 701  
 702  
 703  
 704  
 705  
 706  
 707  
 708  
 709  
 710  
 711  
 712  
 713  
 714  
 715  
 716  
 717  
 718  
 719  
 720  
 721  
 722  
 723  
 724  
 725  
 726  
 727  
 728  
 729  
 730  
 731  
 732  
 733  
 734  
 735  
 736  
 737  
 738  
 739  
 740

1872

9  
22  
23  
24  
25  
26  
27  
28  
29  
30  
31  
32  
33  
34  
35  
36  
37  
38  
39  
40  
41  
42  
43  
44  
45  
46  
47  
48  
49  
50  
51  
52  
53  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60  
61  
62  
63  
64  
65  
66  
67  
68  
69  
70  
71  
72  
73  
74  
75  
76  
77  
78  
79  
80  
81  
82  
83  
84  
85  
86  
87  
88  
89  
90  
91  
92  
93  
94  
95  
96  
97  
98  
99  
100  
101  
102  
103  
104  
105  
106  
107  
108  
109  
110  
111  
112  
113  
114  
115  
116  
117  
118  
119  
120  
121  
122  
123  
124  
125  
126  
127  
128  
129  
130  
131  
132  
133  
134  
135  
136  
137  
138  
139  
140  
141  
142  
143  
144  
145  
146  
147  
148  
149  
150  
151  
152  
153  
154  
155  
156  
157  
158  
159  
160  
161  
162  
163  
164  
165  
166  
167  
168  
169  
170  
171  
172  
173  
174  
175  
176  
177  
178  
179  
180  
181  
182  
183  
184  
185  
186  
187  
188  
189  
190  
191  
192  
193  
194  
195  
196  
197  
198  
199  
200  
201  
202  
203  
204  
205  
206  
207  
208  
209  
210  
211  
212  
213  
214  
215  
216  
217  
218  
219  
220  
221  
222  
223  
224  
225  
226  
227  
228  
229  
230  
231  
232  
233  
234  
235  
236  
237  
238  
239  
240  
241  
242  
243  
244  
245  
246  
247  
248  
249  
250  
251  
252  
253  
254  
255  
256  
257  
258  
259  
260  
261  
262  
263  
264  
265  
266  
267  
268  
269  
270  
271  
272  
273  
274  
275  
276  
277  
278  
279  
280  
281  
282  
283  
284  
285  
286  
287  
288  
289  
290  
291  
292  
293  
294  
295  
296  
297  
298  
299  
300  
301  
302  
303  
304  
305  
306  
307  
308  
309  
310  
311  
312  
313  
314  
315  
316  
317  
318  
319  
320  
321  
322  
323  
324  
325  
326  
327  
328  
329  
330  
331  
332  
333  
334  
335  
336  
337  
338  
339  
340  
341  
342  
343  
344  
345  
346  
347  
348  
349  
350  
351  
352  
353  
354  
355  
356  
357  
358  
359  
360  
361  
362  
363  
364  
365  
366  
367  
368  
369  
370  
371  
372  
373  
374  
375  
376  
377  
378  
379  
380  
381  
382  
383  
384  
385  
386  
387  
388  
389  
390  
391  
392  
393  
394  
395  
396  
397  
398  
399  
400  
401  
402  
403  
404  
405  
406  
407  
408  
409  
410  
411  
412  
413  
414  
415  
416  
417  
418  
419  
420  
421  
422  
423  
424  
425  
426  
427  
428  
429  
430  
431  
432  
433  
434  
435  
436  
437  
438  
439  
440  
441  
442  
443  
444  
445  
446  
447  
448  
449  
450  
451  
452  
453  
454  
455  
456  
457  
458  
459  
460  
461  
462  
463  
464  
465  
466  
467  
468  
469  
470  
471  
472  
473  
474  
475  
476  
477  
478  
479  
480  
481  
482  
483  
484  
485  
486  
487  
488  
489  
490  
491  
492  
493  
494  
495  
496  
497  
498  
499  
500  
501  
502  
503  
504  
505  
506  
507  
508  
509  
510  
511  
512  
513  
514  
515  
516  
517  
518  
519  
520  
521  
522  
523  
524  
525  
526  
527  
528  
529  
530  
531  
532  
533  
534  
535  
536  
537  
538  
539  
540  
541  
542  
543  
544  
545  
546  
547  
548  
549  
550  
551  
552  
553  
554  
555  
556  
557  
558  
559  
560  
561  
562  
563  
564  
565  
566  
567  
568  
569  
570  
571  
572  
573  
574  
575  
576  
577  
578  
579  
580  
581  
582  
583  
584  
585  
586  
587  
588  
589  
590  
591  
592  
593  
594  
595  
596  
597  
598  
599  
600  
601  
602  
603  
604  
605  
606  
607  
608  
609  
610  
611  
612  
613  
614  
615  
616  
617  
618  
619  
620  
621  
622  
623  
624  
625  
626  
627  
628  
629  
630  
631  
632  
633  
634  
635  
636  
637  
638  
639  
640  
641  
642  
643  
644  
645  
646  
647  
648  
649  
650  
651  
652  
653  
654  
655  
656  
657  
658  
659  
660  
661  
662  
663  
664  
665  
666  
667  
668  
669  
670  
671  
672  
673  
674  
675  
676  
677  
678  
679  
680  
681  
682  
683  
684  
685  
686  
687  
688  
689  
690  
691  
692  
693  
694  
695  
696  
697  
698  
699  
700  
701  
702  
703  
704  
705  
706  
707  
708  
709  
710  
711  
712  
713  
714  
715  
716  
717  
718  
719  
720  
721  
722  
723  
724  
725  
726  
727  
728  
729  
730  
731  
732  
733  
734  
735  
736  
737  
738  
739  
740  
741  
742  
743  
744  
745  
746  
747  
748  
749  
750  
751  
752  
753  
754  
755  
756  
757  
758  
759  
760  
761  
762  
763  
764  
765  
766  
767  
768  
769  
770  
771  
772  
773  
774  
775  
776  
777  
778  
779  
780  
781  
782  
783  
784  
785  
786  
787  
788  
789  
790  
791  
792  
793  
794  
795  
796  
797  
798  
799  
800  
801  
802  
803  
804  
805  
806  
807  
808  
809  
810  
811  
812  
813  
814  
815  
816  
817  
818  
819  
820  
821  
822  
823  
824  
825  
826  
827  
828  
829  
830  
831  
832  
833  
834  
835  
836  
837  
838  
839  
840  
841  
842  
843  
844  
845  
846  
847  
848  
849  
850  
851  
852  
853  
854  
855

60  
60  
60  
60  
60  
60  
60  
60

張子厚

蘇軾詩集

卷之六

[illegible][illegible]

卷之六

Handwritten notes in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

2020

| 2020 | 2021 | 2022 | 2023 | 2024 | 2025 | 2026 | 2027 | 2028 | 2029 | 2030 | 2031 |
|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|
| 20   | 21   | 22   | 23   | 24   | 25   | 26   | 27   | 28   | 29   | 30   | 31   |
| 1    | 2    | 3    | 4    | 5    | 6    | 7    | 8    | 9    | 10   | 11   | 12   |
| 13   | 14   | 15   | 16   | 17   | 18   | 19   | 20   | 21   | 22   | 23   | 24   |
| 25   | 26   | 27   | 28   | 29   | 30   | 31   | 32   | 33   | 34   | 35   | 36   |
| 38   | 39   | 40   | 41   | 42   | 43   | 44   | 45   | 46   | 47   | 48   | 49   |
| 51   | 52   | 53   | 54   | 55   | 56   | 57   | 58   | 59   | 60   | 61   | 62   |
| 64   | 65   | 66   | 67   | 68   | 69   | 70   | 71   | 72   | 73   | 74   | 75   |
| 77   | 78   | 79   | 80   | 81   | 82   | 83   | 84   | 85   | 86   | 87   | 88   |
| 90   | 91   | 92   | 93   | 94   | 95   | 96   | 97   | 98   | 99   | 100  | 101  |

1. 2020-2021  
 2. 2021-2022  
 3. 2022-2023  
 4. 2023-2024  
 5. 2024-2025  
 6. 2025-2026  
 7. 2026-2027  
 8. 2027-2028  
 9. 2028-2029  
 10. 2029-2030  
 11. 2030-2031  
 12. 2031-2032





|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० |
| ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० |
| ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० |

५० ५० ५० ५० ५० ५० ५० ५० ५० ५० ५० ५० ५०

|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० |
| ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० |
| ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० |

५० ५० ५० ५० ५० ५० ५० ५० ५० ५० ५० ५० ५०

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

2 27 20 2 27 20 2 27 20

[illegible]

57



35

五

— 4 —

22



सुप्रसन्नः

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
॥ अथ श्रीसुखसागराचार्यविरचितं ॥  
॥ सुखसागराचार्यविरचितं ॥

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ॥

|   |    |    |   |    |    |                  |                  |                  |   |    |    |    |    |    |    |    |    |    |     |
|---|----|----|---|----|----|------------------|------------------|------------------|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| ५ | २५ | २५ | ५ | २५ | २५ | $\frac{25}{100}$ | $\frac{25}{100}$ | $\frac{25}{100}$ | १ | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ६० | ७० | ८० | ९० | १०० |
|---|----|----|---|----|----|------------------|------------------|------------------|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

Figure 1



| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |

[illegible]



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



247

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ཁྱེད་ཀྱི་སྐུ་གསལ་བྱེད་པོ།

የገንዘብ ጥቅም

१०३३ अ० ३०३३५

[illegible][illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

विषय सूची

[illegible]

| ೨೦. ೧೨. ೧೩. ೧೪. ೧೫. ೧೬. ೧೭. ೧೮. ೧೯. ೨೦. |     |     |     |     | ೨೦. ೧೨. ೧೩. ೧೪. ೧೫. ೧೬. ೧೭. ೧೮. ೧೯. ೨೦. |     |     |     |     |
|-----------------------------------------|-----|-----|-----|-----|-----------------------------------------|-----|-----|-----|-----|
| ೨೦.                                     | ೧೨. | ೧೩. | ೧೪. | ೧೫. | ೨೦.                                     | ೧೨. | ೧೩. | ೧೪. | ೧೫. |
| ೨೦.                                     | ೧೨. | ೧೩. | ೧೪. | ೧೫. | ೨೦.                                     | ೧೨. | ೧೩. | ೧೪. | ೧೫. |

೨೦. ೧೨. ೧೩. ೧೪. ೧೫. ೧೬. ೧೭. ೧೮. ೧೯. ೨೦.

| ೨೦. ೧೨. ೧೩. ೧೪. ೧೫. ೧೬. ೧೭. ೧೮. ೧೯. ೨೦. |     |     |     |     | ೨೦. ೧೨. ೧೩. ೧೪. ೧೫. ೧೬. ೧೭. ೧೮. ೧೯. ೨೦. |     |     |     |     |
|-----------------------------------------|-----|-----|-----|-----|-----------------------------------------|-----|-----|-----|-----|
| ೨೦.                                     | ೧೨. | ೧೩. | ೧೪. | ೧೫. | ೨೦.                                     | ೧೨. | ೧೩. | ೧೪. | ೧೫. |
| ೨೦.                                     | ೧೨. | ೧೩. | ೧೪. | ೧೫. | ೨೦.                                     | ೧೨. | ೧೩. | ೧೪. | ೧೫. |

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ

ਮੰਤਰ



ਕੀਰਤ

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ

ਮੰਤਰ



ਸੁਭ

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ

ਮੰਤਰ



ਮਿਤ

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ

ਮੰਤਰ



ਦੁਖ

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ

ਮੰਤਰ



ਸੁਖ

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ

ਮੰਤਰ



ਸੁਖ

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ

ਮੰਤਰ



ਸੁਖ

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ

ਮੰਤਰ



ਸੁਖ

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ

ਮੰਤਰ



ਸੁਖ

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ

ਮੰਤਰ



ਸੁਖ

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ

ਮੰਤਰ



ਸੁਖ

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ

ਮੰਤਰ



ਸੁਖ

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ  
ਮੰਤਰ

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ



ਸੁਖ

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ  
ਮੰਤਰ

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ  
ਮੰਤਰ



३॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥

[illegible]



|                                                                                                                  |      |                                                                                                                             |      |                                                                                                                             |      |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------|
| <p>कैलाशजीपीपीरः वनगर्कोपात्रुसुकागर्कोपा<br/>         रसुगदुमः रसुगदुमः मशुवर्कोपा<br/>         हरारसुगदुमः</p> |      | <p>कैलाशजीपीपीरः वनगर्कोपात्रुसुकागर्कोपा<br/>         मशुवर्कोपात्रुसुकागर्कोपा<br/>         मशुवर्कोपात्रुसुकागर्कोपा</p> |      | <p>कैलाशजीपीपीरः वनगर्कोपात्रुसुकागर्कोपा<br/>         मशुवर्कोपात्रुसुकागर्कोपा<br/>         मशुवर्कोपात्रुसुकागर्कोपा</p> |      |
| मेवस                                                                                                             | मेवस | मेवस                                                                                                                        | मेवस | मेवस                                                                                                                        | मेवस |
| मेवस                                                                                                             | मेवस | मेवस                                                                                                                        | मेवस | मेवस                                                                                                                        | मेवस |

|                                        |                                        |                                        |
|----------------------------------------|----------------------------------------|----------------------------------------|
| कैलाशजीपीपीरः वनगर्कोपात्रुसुकागर्कोपा | कैलाशजीपीपीरः वनगर्कोपात्रुसुकागर्कोपा | कैलाशजीपीपीरः वनगर्कोपात्रुसुकागर्कोपा |
|----------------------------------------|----------------------------------------|----------------------------------------|

मशुवर्कोपा  
 मशुवर्कोपा

अथ चतुर्थोऽध्यायः

कै.प.वृ.स.पु.मं.वै.र.वे.ग. अ.पु.र.वे.व.स.

कैलाशः । प्रेमसुखं सदायः प्रीतिरनुभा ॥ ५८ ॥

鐵瓶

गङ्गाधर। दे. २३५ गङ्गाधर। दे. २३५

लेखकः तत्त्वज्ञानम्

सुखदर वन भी

44



新

ਬਹੁ ਅਛੇਰਾ ਭਰਾਉ ॥ ਸਾਧੂ ॥ ਬਹੁ ਅਛੇਰਾ ॥

अथवा

237431

३६६

७३५३१

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥३॥

২৩৫

4324

इत्युच्यते ॥



તેરજપાસુપાવરેગોરપાતેઅ તેરવલો શ્રીસુત્રવલોગપર તેરપા ગહગમઅરાપાતેઅ તેરહુગા ગઈવેતેજરા  
પાસુપા

તેવલા

તેરલા

પણેગા

તેરવહુવા સમગઈલા પેજરા તેરપહુવાઅરકેવાગહુવાપણેગા તેરવહુવાસહુવા સેમરા ગ વમવારા શ્રીસુત્ર

સુત્રીગપર

શ્રીસુત્ર  
તેરુપ

સાશ્રીસુત્રસમગહુવા

પરુડાના પાણી વળાવવાની યોજના | પરુડાના પાણીને પુરુડાના પાણીમાં મળાવવાની યોજના | પરુડાના પાણીને પુરુડાના પાણીમાં મળાવવાની યોજના |

પાણીના સ્ત્રોતો અને પાણીના સ્ત્રોતો

પાણીના સ્ત્રોતો

પાણીના સ્ત્રોતો

પાણીના સ્ત્રોતો

પાણીના સ્ત્રોતો

પાણીના સ્ત્રોતો

પાણીના સ્ત્રોતો

પાણીના સ્ત્રોતો

પાણીના સ્ત્રોતો

પાણીના સ્ત્રોતો

પાણીના સ્ત્રોતો

પાણીના સ્ત્રોતો

પરુડાના પાણી

પાણીના સ્ત્રોતો

પરુડાના પાણી

પાણીના સ્ત્રોતો

પરુડાના પાણી

પાણીના સ્ત્રોતો

પરુડાના પાણી

પાણીના સ્ત્રોતો

પાણીના સ્ત્રોતો

પાણીના સ્ત્રોતો

પાણીના સ્ત્રોતો

પાણીના સ્ત્રોતો

પાણીના સ્ત્રોતો

ନେତ୍ରପଦ୍ୟା ପ୍ରାଣୀବ୍ୟାସା ଶର୍ମା ନେତ୍ରପଦ୍ୟା ଶର୍ମା ନେତ୍ରପଦ୍ୟା ଶର୍ମା ନେତ୍ରପଦ୍ୟା ଶର୍ମା ନେତ୍ରପଦ୍ୟା ଶର୍ମା

ଶେଷା

ନେତ୍ରପଦ୍ୟା ଶର୍ମା ନେତ୍ରପଦ୍ୟା ଶର୍ମା ନେତ୍ରପଦ୍ୟା ଶର୍ମା ନେତ୍ରପଦ୍ୟା ଶର୍ମା ନେତ୍ରପଦ୍ୟା ଶର୍ମା

ନେତ୍ରପଦ୍ୟା ଶର୍ମା ନେତ୍ରପଦ୍ୟା ଶର୍ମା ନେତ୍ରପଦ୍ୟା ଶର୍ମା ନେତ୍ରପଦ୍ୟା ଶର୍ମା ନେତ୍ରପଦ୍ୟା ଶର୍ମା

ଶେଷା

ଶେଷା

पञ्चमः वेदः सुता यवमात्रे  
सुगवतः यवमात्रे

वेदः

पञ्चमः सुगवतः यवमात्रे  
सुगवतः यवमात्रे  
पञ्चमः सुगवतः

वेदः

पञ्चमः सुगवतः यवमात्रे  
सुगवतः यवमात्रे

पञ्चमः सुगवतः यवमात्रे

पञ्चमः सुगवतः यवमात्रे  
सुगवतः यवमात्रे

वेदः

पञ्चमः सुगवतः यवमात्रे  
सुगवतः यवमात्रे  
पञ्चमः सुगवतः

वेदः

पञ्चमः सुगवतः यवमात्रे  
सुगवतः यवमात्रे  
वेदः

पञ्चमः सुगवतः यवमात्रे  
सुगवतः यवमात्रे  
वेदः

गोरक्षसुखजयन्त्रि सुखोत्तमजयन्त्रि गोरक्षी

सत्यमेव जयते

1322

॥ ५ ॥

ਜੇਰ ਦੁਆਲੇ ਦੁਰਾ ਗਏ।

1997

सुप्रसन्नः सुखी भवति

明倫彙編

444

॥ नैरः पदुवा नमः ॥ ११५ ॥ ॥ नैरः पदुवा नमः ॥ ११५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

११३।

5



100

५५२

गणेशाय नमः ॥ १ ॥

7754

● 現代の

ॐ नमः ।

समस्तैः श्रीगुरुभ्यो नमः



4423

कर्मणः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



93

॥५॥

२५१

१३५

424

27期

ॐ ह्रीं वेदमुपासीत गुरुवर्यस्य  
ॐ ह्रीं गुरुवर्यस्य गुरुवर्यस्य

गुरुवर्यस्य गुरुवर्यस्य गुरुवर्यस्य ॐ ह्रीं गुरुवर्यस्य गुरुवर्यस्य

गुरुवर्यस्य गुरुवर्यस्य गुरुवर्यस्य

गुरुवर्यस्य

गुरुवर्यस्य

गुरुवर्यस्य

गुरुवर्यस्य

गुरुवर्यस्य

ॐ ह्रीं गुरुवर्यस्य

ॐ ह्रीं गुरुवर्यस्य

गुरुवर्यस्य

गुरुवर्यस्य गुरुवर्यस्य गुरुवर्यस्य ॐ ह्रीं गुरुवर्यस्य गुरुवर्यस्य

गुरुवर्यस्य

गुरुवर्यस्य

गुरुवर्यस्य

गुरुवर्यस्य

गुरुवर्यस्य गुरुवर्यस्य गुरुवर्यस्य

गुरुवर्यस्य

गुरुवर्यस्य

गुरुवर्यस्य

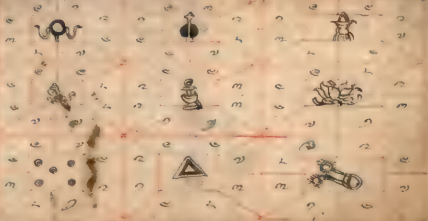
गुरुवर्यस्य

गुरुवर्यस्य

गुरुवर्यस्य

[illegible]

ॐ नमः शिवाय ॥ १ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ २ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ३ ॥  
 ॐ नमः शिवाय ॥ ४ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ५ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ६ ॥  
 ॐ नमः शिवाय ॥ ७ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ८ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ९ ॥  
 ॐ नमः शिवाय ॥ १० ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ११ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ १२ ॥  
 ॐ नमः शिवाय ॥ १३ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ १४ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ १५ ॥  
 ॐ नमः शिवाय ॥ १६ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ १७ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ १८ ॥  
 ॐ नमः शिवाय ॥ १९ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ २० ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ २१ ॥  
 ॐ नमः शिवाय ॥ २२ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ २३ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ २४ ॥  
 ॐ नमः शिवाय ॥ २५ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ २६ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ २७ ॥  
 ॐ नमः शिवाय ॥ २८ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ २९ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ३० ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ਸੁਖਦਮਾਧੋਵੀ ॥ ਸੇਖਰਕੁੰਧਕੁੰਧਦੀਪਤੁਰਾਧਿਕਾਰਾਧਿਕਾਰੀ ॥ ਸੁਖਦਮਾਧੋਵੀ ॥ ਸੁਖਦਮਾਧੋਵੀ ॥ ਸੁਖਦਮਾਧੋਵੀ ॥ ॥

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पुनः सरे यो वदुःखे ॥ पुनः सरे यो वदुःखे ॥ पुनः सरे यो वदुःखे ॥ पुनः सरे यो वदुःखे ॥ पुनः सरे यो वदुःखे ॥

[illegible]

॥ अथ श्रीगणेशोपनिषद् ॥



[illegible]



Въспоминаніе о старомъ городѣ



[illegible]

*[Faint handwritten text at the bottom of the page]*

མ་སྐོར། །ལྷ་དང་འཕྲིན་ལ་དཔྱད་ཆེན་གྱིས། །ཞེས་ཅི་ཡིན་པ་ཚགས་ཀྱིས་བཤད་ཅིང་། །

[illegible]

[illegible]

गणेशाय नमः

गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥

गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥  
गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥  
गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥  
गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥  
गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥  
गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥  
गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥

गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥



॥ अथ श्रीगणेशोत्सवः ॥

| क्र.सं. | प्राप्तकर्ता | प्राप्तकाल | प्राप्तस्थान |
|---------|--------------|------------|--------------|
| १       | ०            | १०         | १            |
| २       | १            | २०         | २            |
| ३       | २            | ३०         | ३            |
| ४       | ३            | ४०         | ४            |
| ५       | ४            | ५०         | ५            |
| ६       | ५            | ६०         | ६            |
| ७       | ६            | ७०         | ७            |
| ८       | ७            | ८०         | ८            |
| ९       | ८            | ९०         | ९            |
| १०      | ९            | १००        | १०           |

संस्कृत-संज्ञा-संग्रहः

| दि | दि | दि | दि | दि |
|----|----|----|----|----|
| १० | ११ | १२ | १३ | १४ |
| १५ | १६ | १७ | १८ | १९ |
| २० | २१ | २२ | २३ | २४ |
| २५ | २६ | २७ | २८ | २९ |
| ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ |
| ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ |
| ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ |
| ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ |
| ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ |
| ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ |
| ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ |
| ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ |
| ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ |
| ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ |
| ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ |
| ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ |
| ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ |
| ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ |

३१ सुंदरवन्द्यापुत्राहोमो न उवाच ॥

|         |     |              |    |
|---------|-----|--------------|----|
| वन्द्या | ८८८ | सुंदरवन्द्या | ८८ |
| वन्द्या | ८८८ | वन्द्या      | ८८ |
| वन्द्या | ८८८ | वन्द्या      | ८८ |
| वन्द्या | ८८८ | वन्द्या      | ८८ |
| वन्द्या | ८८८ | वन्द्या      | ८८ |
| वन्द्या | ८८८ | वन्द्या      | ८८ |
| वन्द्या | ८८८ | वन्द्या      | ८८ |

वन्द्या

वन्द्या

वन्द्या

वन्द्या

वन्द्या

वन्द्या

वन्द्या

7/12/94 (0) = 100% 6/2/95 7.68

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ स्वस्ति नमो भगवते वासुदेवाय ॥

५५१८२॥ स्यात्सुखाद्यैः कर्मवत्त्वैः

[illegible]

५५१० (१३४५) कृता सुखा हृदयान्तर

|          |          |          |          |          |
|----------|----------|----------|----------|----------|
| 500' 00" | 100' 00" | 100' 00" | 100' 00" | 100' 00" |
|----------|----------|----------|----------|----------|

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

卷之四

$\frac{1}{2}$ 
 $\frac{1}{2}$ 
 $\frac{1}{2}$ 
 $\frac{1}{2}$ 
 $\frac{1}{2}$

100 100 100 100 100  
 100 100 100 100 100

|    |    |    |    |    |
|----|----|----|----|----|
| 23 | 22 | 21 | 20 | 19 |
|----|----|----|----|----|

26 22 21 (2)

|   |   |    |    |    |    |    |             |
|---|---|----|----|----|----|----|-------------|
|   |   |    | ८  |    | ६  | ०  | गणपति मंत्र |
| ० | ८ | ८  | ३१ | ३६ | २० | २४ | गणपति मंत्र |
| ७ | ५ | ६  | ३३ | ३७ | २१ | २५ | गणपति मंत्र |
| २ | ६ | ३० | ३८ | ३८ | २२ | २६ | गणपति मंत्र |

|   |    |    |    |    |    |    |                                       |
|---|----|----|----|----|----|----|---------------------------------------|
| 3 | 2  | 11 | 14 | 6  | 12 | 26 | ཏྲུ་ཁྱུ་གཞུག་པ་ལུ་བུ་དང་མི་ཏྲུ་།      |
| 7 | 1  | 22 | 26 | 20 | 27 | 0  | གཞིན་པ་ཏྲུ་བ་ལྷ་མ་ཅད་ཀྱི་ལྷ།          |
| 1 | 10 | 27 | 22 | 21 | 25 | 3  | ཏྲུ་ཤེས་ཀྱི་ལྷ་མ་ཅད་ཀྱི་ལྷ་མི་ཏྲུ་།   |
| 6 | 20 | 25 | 21 | 23 | 24 | 2  | ཏྲུ་ལྷ་མ་ཅད་ཀྱི་ལྷ་མ་ཅད་ཀྱི་ལྷ་མ་ཅད་། |



|    |    |    |    |    |    |    |                              |
|----|----|----|----|----|----|----|------------------------------|
| ३० | २८ | २६ | २४ | २२ | २  | ६  | गङ्गाधरप्रसादस्य पुत्रः ॥    |
| २७ | २५ | २३ | २१ | १९ | १७ | १५ | श्रीमन्महेश्वरीयस्य पुत्रः ॥ |
| २४ | २२ | २० | १८ | १६ | १४ | १२ | विष्णुप्रासादस्य पुत्रः ॥    |
| २१ | १९ | १७ | १५ | १३ | ११ | ९  | नन्दलालस्य पुत्रः ॥          |

|    |    |    |    |    |    |    |                                 |
|----|----|----|----|----|----|----|---------------------------------|
| 1  | 2  | 3  | 4  | 5  | 6  | 0  | གཟུགས་ཀྱི་འཕྲིན་ལྗོངས་ཀྱི་      |
| 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | མཁའ་མི་ལོ་ལོ་ལོ་ལོ་ལོ་ལོ་ལོ་ལོ་ |
| 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | མཁའ་མི་ལོ་ལོ་ལོ་ལོ་ལོ་ལོ་ལོ་ལོ་ |
| 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | མཁའ་མི་ལོ་ལོ་ལོ་ལོ་ལོ་ལོ་ལོ་ལོ་ |
| 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | མཁའ་མི་ལོ་ལོ་ལོ་ལོ་ལོ་ལོ་ལོ་ལོ་ |



|    |    |    |   |   |    |    |                         |
|----|----|----|---|---|----|----|-------------------------|
| 19 | 21 | 22 | 3 | 4 | 12 | 24 | ਬਾਦਲਾ ਲੂਣਾ ਘਰਾਨਾ ਲਾਸਾ ॥ |
| 21 | 22 | 24 | 2 | 6 | 20 | 22 | ਸੁਰਾਹੀ ਭੁੱਖੀ ਲਾਸਾ ॥     |
| 22 | 22 | 25 | 2 | 2 | 22 | 24 | ਬਾਦਲਾ ਲੂਣਾ ਘਰਾਨਾ ਲਾਸਾ ॥ |
| 20 | 22 | 0  | 2 | 1 | 22 | 26 | ਬਾਦਲਾ ਲੂਣਾ ਘਰਾਨਾ ਲਾਸਾ ॥ |

| ੧  | ੨  | ੩  | ੪  | ੫  | ੬  | ੭  | ਗੁਰਮਤਿ ਪੁਰਾਣ ॥ |
|----|----|----|----|----|----|----|----------------|
| ੨੭ | ੨੮ | ੨੯ | ੩੦ | ੩੧ | ੩੨ | ੩੩ | ਗੁਰਮਤਿ ਪੁਰਾਣ ॥ |
| ੩੪ | ੩੫ | ੩੬ | ੩੭ | ੩੮ | ੩੯ | ੪੦ | ਗੁਰਮਤਿ ਪੁਰਾਣ ॥ |
| ੪੧ | ੪੨ | ੪੩ | ੪੪ | ੪੫ | ੪੬ | ੪੭ | ਗੁਰਮਤਿ ਪੁਰਾਣ ॥ |

॥ ४०५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

27. 85

2000

५६. ३२.

॥३१॥ ५५॥ ५५॥

अथर्ववेदः

|    |   |   |   |    |    |    |                       |
|----|---|---|---|----|----|----|-----------------------|
| ၁၇ | ၀ | ၉ | ၁ | ၁၈ | ၁၆ | ၁၀ | ဒင်္ဂလီယသက္ကရာဇ် ၁၁၆၆ |
| ၁၉ | ၁ | ၈ | ၂ | ၁၉ | ၁၇ | ၁၁ | နဂါးသက္ကရာဇ် ၁၁၆၇     |
| ၂၁ | ၂ | ၇ | ၃ | ၂၁ | ၁၈ | ၁၂ | ဓမ္မသက္ကရာဇ် ၁၁၆၈     |
| ၂၃ | ၃ | ၆ | ၄ | ၂၃ | ၁၉ | ၁၃ | နဂါးသက္ကရာဇ် ၁၁၆၉     |

|        |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|--------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ਸੀ. ੧੧ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ |
|--------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|

|       |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|-------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ੧. ੧੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ |
|-------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|

|        |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|--------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ੧੩. ੧੩ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ |
|--------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|

|        |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|--------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ੧੪. ੧੪ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ |
|--------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|

|        |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|--------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ੧੫. ੧੫ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ |
|--------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|

|        |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|--------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ੧੬. ੧੬ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ |
|--------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|

|        |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|--------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ੧੭. ੧੭ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ |
|--------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|

|        |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|--------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ੧੮. ੧੮ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ |
|--------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|

|        |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|--------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ੧੯. ੧੯ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੨ | ੨੬ |
|--------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|

ਸ੍ਰੀ ੴ ਸਤਿਗੁਰ ॥

ਸੁਭ ਘੋਸ਼ ਰਸੁਕ ਸੁਭ ਸ੍ਰੀ ਸ੍ਰੀ ਸ੍ਰੀ ਸ੍ਰੀ ਸ੍ਰੀ ਸ੍ਰੀ ਸ੍ਰੀ ਸ੍ਰੀ

ਗਤਰ ਸੇਵਾ

੨੮ ੨੮ ੨੮ ੨੮ ੨੮ ੨੮ ੨੮ ੨੮

ਗਤਰ

੮ ੮ ੮ ੮ ੨੦ ੨੦ ੨੦ ੨੦ ੨੦ ੨੦ ੨੦ ੨੦

ਸੁਭ ਸੇਵਾ ਸੇਵਾ ਸੇਵਾ

੨ ੨੨ ੨੨ ੨੨ ਸ੍ਰੀ ਸ੍ਰੀ ੨੨ ੨੨ ੨੨ ੨੨ ੨੨ ੨੨

ਗਤਰ ਸੇਵਾ

੨੨ ੨੨ ੨੨ ੨੨ ੨੨ ੨੨ ੨੨ ੨੨ ੨੨ ੨੨ ੨੨ ੨੨

ਸ੍ਰੀ ਸੇਵਾ

੨੨ ੨੨ ੨੨ ੨੨ ੨੨ ੨੨ ੨੨ ੨੨ ੨੨ ੨੨ ੨੨ ੨੨

८८

|             |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|-------------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| वि. वि. नं. | ५  | ७२ | ८  | ८  | ७६ | २८ | १२ | ७० | १२ | २० | ७२ | १० |
| सा. पद. नं. | ७२ | ८  | २० | २  | १  | ७१ | १५ | १  | २  | ७८ | २२ | ७  |
| वि. वि. नं. | ७५ | ७२ | २५ | २५ | ७५ | ७१ | ७६ | ६  | ७१ | ७  | ६२ | ०  |
| सा. पद. नं. | २  | ७८ | २८ | ५  | ७५ | ७५ | ७  | ७१ | २१ | १२ | ७  | ७  |
| वि. वि. नं. | ७  | ८  | २  | २० | ५  | २१ | १० | ७२ | १० | ७१ | ७५ | ८  |
| सा. पद. नं. | ७२ | ७१ | १२ | ७  | ५  | १  | ७१ | १२ | १५ | १२ | २१ | ७  |
| वि. वि. नं. | ७० | ७८ | २५ | २० | ८  | ७१ | ७५ | ७  | ७  | ७० | ७१ | ७  |
| सा. पद. नं. | ७५ | ७८ | २५ | २५ | ७५ | ७५ | ७० | ७  | ७१ | ७० | ७१ | ७  |

| ਸ਼੍ਰੋਮਣੀ ਗੁਰੂਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ | ਪੰਨਾ | ਅੰਕ | ਸ਼ਬਦ | ਅੱਖਰ | ਲਿ | ਸ਼੍ਰੀ | ਲਿ | ਤ  | ਲਿ | ਅੰਕ | ਸ਼ਬਦ | ਅੱਖਰ |
|--------------------------|------|-----|------|------|----|-------|----|----|----|-----|------|------|
| ਸ਼੍ਰੋਮਣੀ ਗੁਰੂਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ | ੩੮   | ੩੦  | ੨੫   | ੨੫   | ੨੦ | ੨੦    | ੨੫ | ੨੫ | ੨੫ | ੨੫  | ੨੫   | ੦    |
| ਸ਼੍ਰੋਮਣੀ ਗੁਰੂਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ | ੩੮   | ੩੬  | ੨੨   | ੨    | ੩੫ | ੨     | ੩੫ | ੩੫ | ੨੨ | ੩੫  | ੨੨   | ੨੨   |
| ਸ਼੍ਰੋਮਣੀ ਗੁਰੂਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ | ੩੮   | ੩੭  | ੨੨   | ੨    | ੩੫ | ੨     | ੩੫ | ੩੫ | ੨੨ | ੩੫  | ੨੨   | ੨੨   |



|           |       |       |     |    |       |       |       |       |       |       |       |
|-----------|-------|-------|-----|----|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|
| २५.६०.    | ३२    | १०    | ७८  | ३२ | ३०    | ७८    | ३२    | ३०    | ७८    | ३०    | ७८    |
| ३०.३०.    | ३२    | ३०    | ७८  | ३२ | ३०    | ७८    | ३२    | ३०    | ७८    | ३०    | ७८    |
| ३०.३०.    | ३०    | ३२    | ७८  | ३० | ३२    | ७८    | ३०    | ३२    | ७८    | ३०    | ७८    |
| ३०.३०.३०. | ३०.७८ | ३२.३० | ३०. | ३० | ३२.३० | ३०.७८ | ३२.३० | ३०.७८ | ३०.३० | ३०.७८ | ३०.७८ |

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

|    |    |   |    |     |    |    |    |    |    |    |   |    |
|----|----|---|----|-----|----|----|----|----|----|----|---|----|
| 33 | 26 | 7 | 34 | 36  | 2  | 6  | 2  | 30 | 30 | 22 | 6 | 22 |
| 26 | 20 |   | 22 | (2) | 20 | 30 | 22 | 20 | 20 |    | 2 | 22 |

| સાધના   | પ્રથમ | ૨  | ત્રીજી | ચૌથી | પાંચમી | છઠ્ઠી | સપ્તમી | અષ્ટમી | નવમી | દશમી | એકાદશી | બીજી |
|---------|-------|----|--------|------|--------|-------|--------|--------|------|------|--------|------|
| પ્રથમ   | ૫૦    | ૨૦ | ૩૦     | ૫૦   | ૨૦     | ૩૦    | ૫૦     | ૨૦     | ૩૦   | ૫૦   | ૨૦     | ૩૦   |
| દ્વિતીય | ૮     | ૧૦ | ૬      | ૮    | ૧૦     | ૬     | ૮      | ૧૦     | ૬    | ૮    | ૧૦     | ૬    |
| ત્રીતીય | ૨૮    | ૮  | ૨૮     | ૨૮   | ૮      | ૨૮    | ૨૮     | ૮      | ૨૮   | ૨૮   | ૮      | ૨૮   |
| ચતુર્થ  | ૨૦    | ૩૦ | ૨૦     | ૨૦   | ૩૦     | ૨૦    | ૨૦     | ૩૦     | ૨૦   | ૨૦   | ૩૦     | ૨૦   |

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ਸ੍ਰੀ ੴ ਸਤਿਗੁਰ ॥

ਸੁਗ ਧੋਲ ਰਸੁਗ ਧੁਗ ਰੇ ਧਾਗ ਧੁਰ ॥ ੧ ॥ ੨ ॥ ੩ ॥ ੪ ॥ ੫ ॥

ਸ੍ਰੀ ੴ ਸਤਿਗੁਰ ॥

ਸੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ

ਸੁਗ ਧੁਗ

ਸੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ

ਸੁਗ ਧੁਗ

ਸੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ

ਸੁਗ ਧੁਗ

ਸੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ

ਸੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ ਧੁਗ

5489

“三才”

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

१००

2 0 4 4 5 7 8 6 6 5 2 0

m e o o e G G 2 4 4 0 12

0 4 6 6 1 2 2 1 3 3 0

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

4 9 16 26 41 57 75 95 117 141



[illegible]

सर्ववर्षा

वीरवार

पुनर्वसु

अश्लेषा

द्वितीया

| सर्ववर्षा | १  | २  | ३  | ४  | ५  | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ |
|-----------|----|----|----|----|----|---|---|---|---|----|----|----|
| वीरवार    | १० | १२ | १५ | १७ | १९ | १ | ० | ८ | ७ | १० | १० | १२ |
| पुनर्वसु  | ११ | १३ | १६ | १८ | २० | २ | ६ | ५ | ४ | ११ | ११ | १३ |
| अश्लेषा   | १२ | १४ | १७ | १९ | २१ | ३ | ७ | ६ | ५ | १२ | १२ | १४ |
| द्वितीया  | १३ | १५ | १८ | २० | २२ | ४ | ८ | ७ | ६ | १३ | १३ | १५ |



देवकेव' एष्वेद' पश्ये' मयुक्त्य'  
वा' यी' नृप' दस्यैकतां शरत् ।  
न स्यादा' वहुतेत्य' ।

|    |    |    |    |    |    |    |    |    |     |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| 1  | 2  | 3  | 4  | 5  | 6  | 7  | 8  | 9  | 10  |
| 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20  |
| 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30  |
| 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40  |
| 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50  |
| 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60  |
| 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70  |
| 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80  |
| 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90  |
| 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 100 |

विष्णुः प्रसीदन्ति मृत्युमर्त्यः

རྒྱལ་པོ་ལྷ་མོ་གཤམ་

कैलाश (ता) वाता (ता) हुंवाता ॥

[illegible]

|          |                                              |    |    |    |    |    |    |
|----------|----------------------------------------------|----|----|----|----|----|----|
| कैलाशपुर | ७२                                           | ७१ | ७० | ७  | ८  | ९  | १० |
|          | २०                                           | २६ | २५ | २८ | २१ | २३ | २२ |
| सैराजपुर |                                              |    |    |    |    |    |    |
| सांगपुर  | बागं कुम्हें बागं के देवालय कुं १ बागं<br>के |    |    |    |    |    |    |

၃။ ၁၅၇၇ ခုနှစ် ဇန်နဝါရီလ ၁၅ ရက်  
ရက်စွဲတရားရုံးမှ ဝန်ထမ်းချုပ် ဦး

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

1

al

६५६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९

नेत्रपद्मवर्णप्रदीपः ॥

पु. सु. ग. यो. स. ॥ सु. ग. सु. य. पु. ग. ॥

गणेशदेवि वाकिठ पांवा पत्तस्थ ॥

६॥ दण्डवत्प्रणमः ॥

॥ कंठ्यै र कंठ्यै विना ज्ञेयः ॥

199

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

सिद्धिं लब्धुं शक्यं भक्त्या ॥ २ ॥

सर्वं भक्त्या लब्धुं शक्यं ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥

सिद्धिं लब्धुं शक्यं भक्त्या ॥ ५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥



दशमपदविंशतिपदशत ॥

१०

द्विंशतिपदविंशतिपदशत ॥

२०

दशमपदविंशतिपदशत ॥

३०

पुनरुक्तपदविंशतिपदशत ॥

४०

दशमपदविंशतिपदशत ॥

५०

दशमपदविंशतिपदशत ॥

६०

दशमपदविंशतिपदशत ॥

७०

॥ १० ॥ पुनरुक्तपदविंशतिपदशत ॥

॥ २० ॥ पुनरुक्तपदविंशतिपदशत ॥

॥ ३० ॥ पुनरुक्तपदविंशतिपदशत ॥

॥ ४० ॥ पुनरुक्तपदविंशतिपदशत ॥

॥ ५० ॥ पुनरुक्तपदविंशतिपदशत ॥

॥ ६० ॥ पुनरुक्तपदविंशतिपदशत ॥

॥ ७० ॥ पुनरुक्तपदविंशतिपदशत ॥



|        | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ |
|--------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| २५५५५५ | ५  | ८  | ८  | २  | ०  | ५  | ५  | ७  | ८  | ८  | २  | ०  |
| २५५५५५ | २  | ०  | ५  | ५  | ७  | ८  | ८  | २  | ०  | ५  | ५  | ७  |
| २५५५५५ | ५  | ७  | ८  | ८  | २  | ०  | ५  | ५  | ७  | ८  | ८  | २  |
| २५५५५५ | ८  | २  | ०  | ५  | ५  | ७  | ८  | ८  | २  | ०  | ५  | ५  |
| २५५५५५ | ५  | ५  | ७  | ८  | ८  | २  | ०  | ५  | ५  | ७  | ८  | ८  |
| २५५५५५ | ८  | ८  | २  | ०  | ५  | ५  | ७  | ८  | ८  | २  | ०  | ५  |
| २५५५५५ | ८  | ५  | ५  | ७  | ८  | ८  | २  | ०  | ५  | ५  | ७  | ८  |

| ਸੰਖਿਆ | ਅੰਕ | ਸੰਖਿਆ | ਅੰਕ | ਸੰਖਿਆ | ਅੰਕ | ਸੰਖਿਆ | ਅੰਕ | ਸੰਖਿਆ | ਅੰਕ | ਸੰਖਿਆ |
|-------|-----|-------|-----|-------|-----|-------|-----|-------|-----|-------|
| ੧     | ੭੨  | ੧     | ੭੨  | ੭੨    | ੨੨  | ੭     | ੧   | ੭੬    | ੮   | ੨੩    |
| ੨     | ੨੭  | ੭੫    | ੨੭  | ੭੫    | ੨   | ੭੫    | ੭੫  | ੨੫    | ੭੭  | ੭੫    |
| ੩     | ੦   | ੫     | ੨੫  | ੨੫    | ੭੦  | ੭     | ੫   | ੨੮    | ੨   | ੭੬    |
| ੪     | ੭੬  | ੭੨    | ੨   | ੨     | ੭੭  | ੭੬    | ੭੨  | ੭     | ੭   | ੭੨    |
| ੫     | ੭   | ੭੭    | ੭   | ੭     | ੭੭  | ੨੫    | ੨੮  | ੦     | ੨੨  | ੨੨    |
| ੬     | ੨੬  | ੭     | ੭੦  | ੭੦    | ੨   | ੮     | ੭   | ੧     | ੭੭  | ੭     |
| ੭     | ੭   | ੭     | ੭੮  | ੭੮    | ੭੮  | ੨੮    | ੭   | ੨੬    | ੭੨  | ੭੦    |

[illegible]

२०५७

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



20

36

55

2

94

25 26

7

95  
5  
10



22

90

མཁའ་འགྲུ་ལྷ་མོ་ལྷོ་ལྷོ་

91

22

20

सुवर्णाचलकृतं

2

20

96

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

100

22

95

9

निवेद्य ॥

|    |    |
|----|----|
| 22 | 22 |
| 20 | 55 |

पुनर्विचार २२

24 | 27

१५७ विष्णुपञ्चरत्न ॥



॥ कर्मसंज्ञा ॥

कुं कर्त्तव्यं ॥ २० ॥ २६

कुं कर्त्तव्यं ॥ २० ॥ २६

दं वरं वरं ॥ २० ॥ २६  
मरं वरं वरं ॥ २० ॥ २६  
वत्तव्यं ॥ २० ॥ २६  
वत्तव्यं ॥ २० ॥ २६  
वत्तव्यं ॥ २० ॥ २६  
वत्तव्यं ॥ २० ॥ २६

वरं वरं वरं ॥ २० ॥ २६  
वरं वरं वरं ॥ २० ॥ २६  
वरं वरं वरं ॥ २० ॥ २६  
वरं वरं वरं ॥ २० ॥ २६  
वरं वरं वरं ॥ २० ॥ २६  
वरं वरं वरं ॥ २० ॥ २६

वरं वरं वरं ॥ २० ॥ २६  
वरं वरं वरं ॥ २० ॥ २६  
वरं वरं वरं ॥ २० ॥ २६  
वरं वरं वरं ॥ २० ॥ २६  
वरं वरं वरं ॥ २० ॥ २६  
वरं वरं वरं ॥ २० ॥ २६



बुधवार ॥ ७० ॥ ७७ ॥

बुधवार ॥ ७७ ॥ ७७ ॥ ७७ ॥

बुधवार ॥ ७७ ॥ ७७ ॥ ७७ ॥

७७

नेवार बुधवार ॥ ७७ ॥ ७७ ॥ ७७ ॥  
७७ ॥ ७७ ॥ ७७ ॥ ७७ ॥  
७७ ॥ ७७ ॥ ७७ ॥ ७७ ॥  
७७ ॥ ७७ ॥ ७७ ॥ ७७ ॥

नेवार बुधवार ॥ ७७ ॥ ७७ ॥ ७७ ॥  
७७ ॥ ७७ ॥ ७७ ॥ ७७ ॥  
७७ ॥ ७७ ॥ ७७ ॥ ७७ ॥  
७७ ॥ ७७ ॥ ७७ ॥ ७७ ॥

नेवार बुधवार ॥ ७७ ॥ ७७ ॥ ७७ ॥  
७७ ॥ ७७ ॥ ७७ ॥ ७७ ॥  
७७ ॥ ७७ ॥ ७७ ॥ ७७ ॥  
७७ ॥ ७७ ॥ ७७ ॥ ७७ ॥



[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
| 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |

|   |   |   |
|---|---|---|
| ५ | ५ | ५ |
| ५ | ५ | ५ |
| ५ | ५ | ५ |
| ५ | ५ | ५ |

५ ५ ५ ५ ५

|   |   |   |
|---|---|---|
| ५ | ५ | ५ |
| ५ | ५ | ५ |
| ५ | ५ | ५ |
| ५ | ५ | ५ |

५ ५ ५ ५ ५

|   |   |   |
|---|---|---|
| ५ | ५ | ५ |
| ५ | ५ | ५ |
| ५ | ५ | ५ |
| ५ | ५ | ५ |

५ ५ ५ ५ ५

|   |   |   |
|---|---|---|
| ५ | ५ | ५ |
| ५ | ५ | ५ |
| ५ | ५ | ५ |
| ५ | ५ | ५ |

५ ५ ५ ५ ५





पुनः पुनः वृत्तं वृत्तं ॥ ३ ॥ हस्तः पुनः वृत्तं वृत्तं ॥ वृत्तः पुनः ॥ वृत्तः पुनः ॥ वृत्तः पुनः ॥  
वृत्तः पुनः ॥ वृत्तः पुनः ॥ वृत्तः पुनः ॥ वृत्तः पुनः ॥ वृत्तः पुनः ॥  
वृत्तः पुनः ॥ वृत्तः पुनः ॥ वृत्तः पुनः ॥ वृत्तः पुनः ॥ वृत्तः पुनः ॥  
वृत्तः पुनः ॥ वृत्तः पुनः ॥ वृत्तः पुनः ॥ वृत्तः पुनः ॥ वृत्तः पुनः ॥  
वृत्तः पुनः ॥ वृत्तः पुनः ॥ वृत्तः पुनः ॥ वृत्तः पुनः ॥ वृत्तः पुनः ॥





[illegible]

अथ दुर्वागविरुद्धं पञ्चरात्रं ॥ अथ दुर्वागविरुद्धं पञ्चरात्रं ॥ अथ दुर्वागविरुद्धं पञ्चरात्रं ॥

॥ अथ दुर्वागविरुद्धं पञ्चरात्रं ॥ अथ दुर्वागविरुद्धं पञ्चरात्रं ॥ अथ दुर्वागविरुद्धं पञ्चरात्रं ॥

॥ अथ दुर्वागविरुद्धं पञ्चरात्रं ॥ अथ दुर्वागविरुद्धं पञ्चरात्रं ॥ अथ दुर्वागविरुद्धं पञ्चरात्रं ॥

॥ अथ दुर्वागविरुद्धं पञ्चरात्रं ॥ अथ दुर्वागविरुद्धं पञ्चरात्रं ॥ अथ दुर्वागविरुद्धं पञ्चरात्रं ॥

[illegible]





[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ਭੇਦੁ ਕਾ ਘੋਰੁ ਅਧਰਾ ਯੋਗੁ ਰਹਾ ਭੁਧਰੁ ਨਾ ਪਰ ਭੇਦੁ ॥ ਭੁਧਰੁ ਨਾ ਭੁਧਰੁ ॥ ਕੁੰਘੁਰਾ ਜੇਕਾ ॥ ਘਰੁ ਘੁਰੁ ਰਾਗ  
ਪਾਗੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ॥ ੧੬ ॥ ਜੇਕਾ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ॥  
ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ॥ ਕੁੰਘੁਰਾ ਜੇਕਾ ॥ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ॥  
ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ॥ ੧੭ ॥ ਜੇਕਾ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ॥  
ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ॥ ੧੮ ॥ ਜੇਕਾ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ॥  
ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ॥ ੧੯ ॥ ਜੇਕਾ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ॥  
ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ॥ ੨੦ ॥ ਜੇਕਾ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ਘੋਰੁ ਭੇਦੁ ॥

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

०  
 न नैव बोध ॥ वादं न देव वा कृत्य बोध नुर स्मृ कृत्य बोध देव त्वं पद ॥ हृत्ता पदो वा दं न देव केव बोध पदित्य  
 वा केव वदन्ता भूत पदित्य ॥ गोप मरेता ० र ० केव न देव हृत्ता पदित्य ॥ हृत्ता पदित्य ॥ हृत्ता पदित्य ॥  
 वदं न देव हृत्ता पदित्य ॥ वदं न देव हृत्ता पदित्य ॥ वदं न देव हृत्ता पदित्य ॥ वदं न देव हृत्ता पदित्य ॥  
 हृत्ता पदित्य ॥ वदं न देव हृत्ता पदित्य ॥ वदं न देव हृत्ता पदित्य ॥ वदं न देव हृत्ता पदित्य ॥

0.21

25 11 1914

75

Figure 1

44

20  
21  
22  
23  
24  
25  
26  
27  
28  
29  
30

42

०  
१  
२  
३  
४  
५  
६  
७  
८  
९



727

100

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

卷之四

2932

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

१५४५

1997

1895

ཆོས་འཕེལ་ལུ་རྒྱུ་ཡི།

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

7. 12. 1950

७ (तै. सु. २. १. १)

0 (54) 54 54 54





ཨོཅ། ཀུན་སྐྱེས་མཉམ་པ་ཉམས་པའི་རྒྱུ་ཡིན་པ་ལྟར་སྟོན།

།

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

四

[illegible]

ལྷ་དང་འཇོན་ཕྱིར་ཚོགས་པ་བརྒྱུད་པའི། མོས་སྐུ་མཐོང་དྲུག་ལ་བརྒྱུད་པའི།  
 རྒྱུད་དུ་སྐུ་པ་ཡིས་ནི་བཞེས་ནས་གྲུ་། རྒྱུད་དུ་སྐུ་པ་ཡིས་ནི་བཞེས་ནས་གྲུ་།  
 བཞེས་པའི། རྒྱུད་དུ་སྐུ་པ་ཡིས་ནི་བཞེས་ནས་གྲུ་། རྒྱུད་དུ་སྐུ་པ་ཡིས་ནི་བཞེས་ནས་གྲུ་།  
 རྒྱུད་དུ་སྐུ་པ་ཡིས་ནི་བཞེས་ནས་གྲུ་། རྒྱུད་དུ་སྐུ་པ་ཡིས་ནི་བཞེས་ནས་གྲུ་།  
 རྒྱུད་དུ་སྐུ་པ་ཡིས་ནི་བཞེས་ནས་གྲུ་། རྒྱུད་དུ་སྐུ་པ་ཡིས་ནི་བཞེས་ནས་གྲུ་།  
 རྒྱུད་དུ་སྐུ་པ་ཡིས་ནི་བཞེས་ནས་གྲུ་། རྒྱུད་དུ་སྐུ་པ་ཡིས་ནི་བཞེས་ནས་གྲུ་།  
 རྒྱུད་དུ་སྐུ་པ་ཡིས་ནི་བཞེས་ནས་གྲུ་། རྒྱུད་དུ་སྐུ་པ་ཡིས་ནི་བཞེས་ནས་གྲུ་།

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



42

[illegible]

[illegible]

ལ་མཐུན་མཐུན་སྤྱི། །འདུག་གི་འདོད་པ་འཕྲུང་བར་མ་འོང་། །རྒྱ་དུ་དམ་ཆོས་ལ་  
མཐུན་གྱིར། །འདོད་ཅི་ཡོད་མཐུན་འཕྲུང་བར་མ་འོང་། །འདོད་ཅི་ཡོད་མཐུན་འཕྲུང་བར་མ་འོང་།  
ལ་མཐུན་མཐུན་སྤྱི། །འདུག་གི་འདོད་པ་འཕྲུང་བར་མ་འོང་། །རྒྱ་དུ་དམ་ཆོས་ལ་  
མཐུན་གྱིར། །འདོད་ཅི་ཡོད་མཐུན་འཕྲུང་བར་མ་འོང་། །འདོད་ཅི་ཡོད་མཐུན་འཕྲུང་བར་མ་འོང་།  
ལ་མཐུན་མཐུན་སྤྱི། །འདུག་གི་འདོད་པ་འཕྲུང་བར་མ་འོང་། །རྒྱ་དུ་དམ་ཆོས་ལ་  
མཐུན་གྱིར། །འདོད་ཅི་ཡོད་མཐུན་འཕྲུང་བར་མ་འོང་། །འདོད་ཅི་ཡོད་མཐུན་འཕྲུང་བར་མ་འོང་།  
ལ་མཐུན་མཐུན་སྤྱི། །འདུག་གི་འདོད་པ་འཕྲུང་བར་མ་འོང་། །རྒྱ་དུ་དམ་ཆོས་ལ་  
མཐུན་གྱིར། །འདོད་ཅི་ཡོད་མཐུན་འཕྲུང་བར་མ་འོང་། །འདོད་ཅི་ཡོད་མཐུན་འཕྲུང་བར་མ་འོང་།



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ देव्या देवताय नमो ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཐུགས་རྒྱལ་བའི་མཛད་སྤྱོད་། རིང་ག་ཡི་དུག་ས་རྩེ་ས་པ་ལྟ་ཞིང་། །ཡི་དུག་ས་པ་རྩེ་ག་རྩེ་ནས་པ་ལྟ་ཞིང་།

འཕགས་པའི་ཡུལ་ལ་འཕགས་པས་འཕགས་པར་བྱའོ། ། ཁྱིམ་པ་ཆེན་པོར་པའོ། ། ཡུལ་ལ་འཕགས་པ། །

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥

७७ । अरुणस्य सूर्याय प्रणम्य नमः । अरुणस्य सूर्याय प्रणम्य नमः ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्तव्यमाकर्षणाय । धियो यो नः प्रचोदयात् ॥

७७।

। रं व के व स्त्री र पं न्ये व प र पु र पु र स न्न व स । । र ह स प र पु र स न्न व  
व स व स प व न्य स र ह । । व रं व पं र व र र क र स्त्री स प र रं व रं व  
रं व व र व र व र व रं व र प र । । रं व र व र व र व र व र व र व र व र  
व स । । व र व र व र व र व र व र व र व र व र व र व र व र व र व र व र  
र व र व र व र व र व र व र व र व र व र व र व र व र व र व र व र व र व र

[illegible]

[illegible]

[illegible]



ॐ । त्वत्प्रेतस्य शिवं परं चैव पठ । । प्रोदमुपास्य कुरु कुरु यत्किं त्वत्प्रेत  
 रणस्य पश्य । । त्वत्प्रेतस्य परं चैव पठ । । प्रोदमुपास्य कुरु कुरु यत्किं त्वत्प्रेत  
 दृष्ट्वा त्वत्प्रेतस्य परं चैव पठ । । त्वत्प्रेतस्य परं चैव पठ । । प्रोदमुपास्य कुरु कुरु यत्किं त्वत्प्रेत  
 शिवं । । त्वत्प्रेतस्य परं चैव पठ । । प्रोदमुपास्य कुरु कुरु यत्किं त्वत्प्रेत  
 परं चैव पठ । । त्वत्प्रेतस्य परं चैव पठ । । प्रोदमुपास्य कुरु कुरु यत्किं त्वत्प्रेत

૩૦૫। | કેરૂં પદ્મવત્સલ રૂપ શ્રીવામવત્સા | ગુણવંતે જાણે સમ  
 ગુણવંતે સુરે પ્રેમ ગુણે | ક્રિત્તુ પ્રભુ ક્રિત્તુ ગતિવાળુ દુરિતવાત્સલ પ્રસાદે | જે  
 વાત્સલ્ય મુગ્ધ પ્રેમ પર પ્રેમ ગુણ ૩૦૬। | સુરે મલિને દસ લુપ્ત ગાંધી  
 દસ રમણે મરી | કરસા પર વેપીસ રે મેરે રૂપ મલિત રૂપે | પ્રેમ પ્રેમ  
 મરે સુર સુર મરે વેપ્રસાદ | કે જાંતે જાંતે કામ પ્રેમ ને દે જાંતે પ્રેમ ગુણ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ਭਾਗਵਤ ਸਰ ਸੁਭਾਸ਼ਿ ਕਲੀਕ ਉਦ । ਰੁਕੀਓ ਪੀੜਾ ਗੁਣ ਪੁੰਨ ਪਦਾਰੀ ਬਲੋਪਾਰਦੇ ਪਦਾ ਗ੍ਰੇਵਾਨੁ ਮਾਨੁ  
ਕੋਧ ਉਦ । ਸੋਕੁ ਸੁਖ ਮਲੋਕ ਪਦਾ ਕੁਵਾਨੁ ਸੁਖੁ ਸੁਖੁ ਕੋਧ ਗਰੀ ਮਨ ਕਾ ਪਰਿਗੁਣ ਧਰ ੨ ਪੁਰ ॥

सुखं न हेतुं योऽस्ति नृपः सदा सुखं वदन्ति नराः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

3





ཀུན་འདུས་ཀྱི་བདག་ཀྱིས་དཔྱད་པ། རྒྱལ་སྤྱོད་འཁོར་ལོས་བསྐྱར་བའི་ཀུལ་པོ་  
སྤྱོད། རྒྱལ་སྤྱོད་བསྐྱེད་པ་བཟུང་བའི་སངས་རྒྱལ་སྤྱོད། ཤིང་ལ་ཡང་འདུལ་  
དེ་ལ་དེར་སྤྱོད་པ་ལོ། འཕུལ་བ་སྤྱོད་རས་ཡེ་ཤེས་ལ་ཕྱག་ལེན་ལ་ལོ། འདྲིས་  
བཟུངས་ལ་ཡིད་སྤྱོད་ལ་ལེན་པ་ལ་ལོ། ཤིང་ལ་ཡང་འདུལ་བ་ལོ། ཤིང་ལ་ཡང་འདུལ་བ་  
སྤྱོད་ལ་ཡིད་སྤྱོད་ལ་ལེན་པ་ལ་ལོ། ཤིང་ལ་ཡང་འདུལ་བ་ལོ། ཤིང་ལ་ཡང་འདུལ་བ་ལོ།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

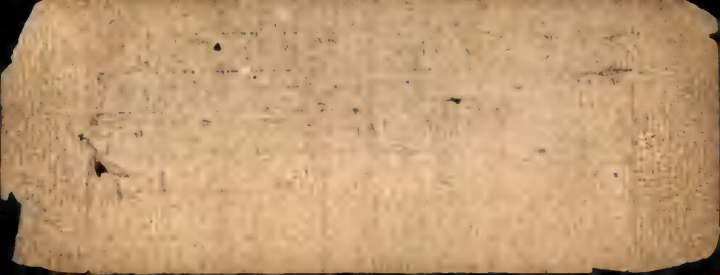
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

འཕུགས་མཐུ་ཤིང་། བཤམ་པོ་ཆེན་པོ་ལྟོ་མཐུ་ཤིང་མཐུ་ཤིང་། སྒྲིག་པ་ལྟོ་མཐུ་ཤིང་།  
དེ་མཐུ་ཤིང་ལྟོ་མཐུ་ཤིང་། བཤམ་པོ་ཆེན་པོ་ལྟོ་མཐུ་ཤིང་མཐུ་ཤིང་། སྒྲིག་པ་ལྟོ་མཐུ་ཤིང་།  
འཕུགས་མཐུ་ཤིང་། བཤམ་པོ་ཆེན་པོ་ལྟོ་མཐུ་ཤིང་མཐུ་ཤིང་། སྒྲིག་པ་ལྟོ་མཐུ་ཤིང་།  
འཕུགས་མཐུ་ཤིང་། བཤམ་པོ་ཆེན་པོ་ལྟོ་མཐུ་ཤིང་མཐུ་ཤིང་། སྒྲིག་པ་ལྟོ་མཐུ་ཤིང་།  
འཕུགས་མཐུ་ཤིང་། བཤམ་པོ་ཆེན་པོ་ལྟོ་མཐུ་ཤིང་མཐུ་ཤིང་། སྒྲིག་པ་ལྟོ་མཐུ་ཤིང་།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



[illegible]

۱۰۹

[illegible]

1900-1901 1902-1903



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
 इत्युक्तं श्रीमद्भगवत्पुत्रं ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥  
 अहं कृष्णः कृष्णः कृष्णः कृष्णः कृष्णः कृष्णः ॥  
 अहं कृष्णः कृष्णः कृष्णः कृष्णः कृष्णः कृष्णः ॥  
 अहं कृष्णः कृष्णः कृष्णः कृष्णः कृष्णः कृष्णः ॥  
 अहं कृष्णः कृष्णः कृष्णः कृष्णः कृष्णः कृष्णः ॥

ལེམས་ནི་དཔེ་གྲིས་མཚན་པ་དེ་ལས་ཁོ་རྩེད་ཀྱིས། འདུལ་ཡོངས་སུ་གྱུར་པ་  
ལས་རྩེད་ཀྱིས་ལེམས་མ་གཏུགས་དཀར་མོ་ཅན་སུ་མཛོག་དཀར་མོ་དཀར་མོ་དཀར་  
དམར་པ་འཇིགས་པ་སུ་མ་ཕྱག་དུག་གི་དཔེ་གྲིས་ཀྱི་ཤེས་པ་ལོ་དང་གྲིས་མ་  
འཛུགས། ལེམས་ཀྱི་ཤེས་པ་མཛོག་དཔེ་གྲིས་ཀྱི་ཤེས་པ་ལྟགས་ཀྱི་དཔེ་  
རྩེད་ཀྱི་ཤེས་པ་ལྟགས་ཀྱི་ཤེས་པ་ལྟགས་ཀྱི་ཤེས་པ་ལྟགས་ཀྱི་ཤེས་པ་  
ལྟགས་ཀྱི་ཤེས་པ་ལྟགས་ཀྱི་ཤེས་པ་ལྟགས་ཀྱི་ཤེས་པ་ལྟགས་ཀྱི་ཤེས་པ་  
ལྟགས་ཀྱི་ཤེས་པ་ལྟགས་ཀྱི་ཤེས་པ་ལྟགས་ཀྱི་ཤེས་པ་ལྟགས་ཀྱི་ཤེས་པ་

[illegible]

[illegible]

৯২

*[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]*



[illegible]

[illegible]



[illegible]

www.bibb.org

[illegible]



Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is arranged in several lines. The ink is dark, and the paper shows signs of aging and discoloration.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत सजीमौ ॥

*(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.)*

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥









951

[illegible]

དང་། རྩི་ལོ་ཤིང་གི་ལོ་ཤིང་སྤྱི་ཚེ་འགག་སྤངས། ། ལྷ་དང་དཔེ་དང་ལྷ་མ་ལ་སོང་པ་རྒྱུ། ། རྩི་དང་ལོ་ཤིང་  
རབ་རྩི་ལ། ། རྩི་ལས་མ་གཏོགས་ལོ་ཤིང་སྤྱི་ཚེ། ། ལྷ་དང་ལོ་ཤིང་སྤྱི་ཚེ་ལྷ་དང་ལོ་ཤིང་སྤྱི་ཚེ་  
གཞུངས་སྤྱི་ཚེ་ལྷ་དང་ལོ་ཤིང་སྤྱི་ཚེ་ལྷ་དང་ལོ་ཤིང་སྤྱི་ཚེ་ལྷ་དང་ལོ་ཤིང་སྤྱི་ཚེ་  
རྩི་ལས་གཞུངས་སྤྱི་ཚེ་ལྷ་དང་ལོ་ཤིང་སྤྱི་ཚེ་ལྷ་དང་ལོ་ཤིང་སྤྱི་ཚེ་ལྷ་དང་ལོ་ཤིང་སྤྱི་ཚེ་  
ལྷ་དང་ལོ་ཤིང་སྤྱི་ཚེ་ལྷ་དང་ལོ་ཤིང་སྤྱི་ཚེ་ལྷ་དང་ལོ་ཤིང་སྤྱི་ཚེ་ལྷ་དང་ལོ་ཤིང་སྤྱི་ཚེ་  
ལྷ་དང་ལོ་ཤིང་སྤྱི་ཚེ་ལྷ་དང་ལོ་ཤིང་སྤྱི་ཚེ་ལྷ་དང་ལོ་ཤིང་སྤྱི་ཚེ་ལྷ་དང་ལོ་ཤིང་སྤྱི་ཚེ་  
ལྷ་དང་ལོ་ཤིང་སྤྱི་ཚེ་ལྷ་དང་ལོ་ཤིང་སྤྱི་ཚེ་ལྷ་དང་ལོ་ཤིང་སྤྱི་ཚེ་ལྷ་དང་ལོ་ཤིང་སྤྱི་ཚེ་  
ལྷ་དང་ལོ་ཤིང་སྤྱི་ཚེ་ལྷ་དང་ལོ་ཤིང་སྤྱི་ཚེ་ལྷ་དང་ལོ་ཤིང་སྤྱི་ཚེ་ལྷ་དང་ལོ་ཤིང་སྤྱི་ཚེ་

291

1322

ཅེས་པས་རྟེན་ནས་དང་གཞི་དཔལ་བཟོ་བའི་ལས་གྲོལ་ལོ།  
གཞི་བཟོ་བའི་རྟེན་ནས་དང་གཞི་དཔལ་བཟོ་བའི་ལས་གྲོལ་ལོ།  
རྟེན་ནས་དང་གཞི་དཔལ་བཟོ་བའི་ལས་གྲོལ་ལོ།  
རྟེན་ནས་དང་གཞི་དཔལ་བཟོ་བའི་ལས་གྲོལ་ལོ།  
རྟེན་ནས་དང་གཞི་དཔལ་བཟོ་བའི་ལས་གྲོལ་ལོ།  
རྟེན་ནས་དང་གཞི་དཔལ་བཟོ་བའི་ལས་གྲོལ་ལོ།  
རྟེན་ནས་དང་གཞི་དཔལ་བཟོ་བའི་ལས་གྲོལ་ལོ།





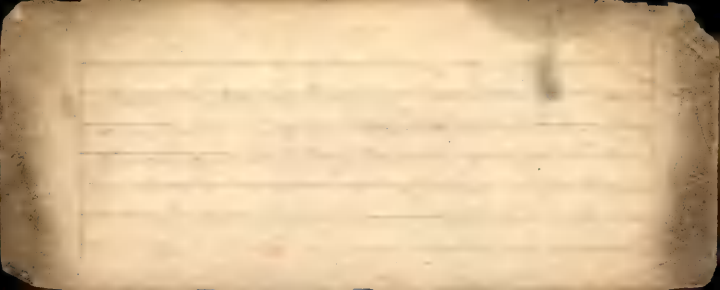
[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]



ॐ॥ गयः वरुणः वरुणः वरुणः ॥





[illegible]







ॐ ७५

ॐ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच ।  
 द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव  
 ततस्तदा । आचार्यमुपसंगम्य राजा वीरार्जुन उवाच ।  
 पाण्डवस्य चाश्वमेधः प्रसीद्धः । तस्मात्तत्र गच्छामि ।  
 शूरा महेष्वाहा इव । तान् पाण्डुपुत्रं च विना ।  
 नृपः स्यात्तदा । तस्मात्तत्र गच्छामि ।  
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततस्तदा ।  
 आचार्यमुपसंगम्य राजा वीरार्जुन उवाच । पाण्डवस्य चाश्वमेधः प्रसीद्धः ।  
 तस्मात्तत्र गच्छामि । शूरा महेष्वाहा इव । तान् पाण्डुपुत्रं च विना ।  
 नृपः स्यात्तदा । तस्मात्तत्र गच्छामि ।

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥







ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



७७। मरी बरवा चानुबारा ऊरा के न भूष क व सुँ डम श्री गुरुवरचय सुत सके वल वजरे  
परकलोप्य॥ ३५॥

अरुणोदय



७७। ॥ संसर्ग अशेष मम जन्म परे पुण्य परे अहम बोध परे कर्म फल परे यज्ञ परे देव लोक परे सुख परे सुख परे ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



ॐ॥ ॥ १॥ ॥ २॥ ॥ ३॥ ॥ ४॥ ॥ ५॥ ॥ ६॥ ॥ ७॥ ॥ ८॥ ॥ ९॥ ॥ १०॥ ॥ ११॥ ॥ १२॥ ॥ १३॥ ॥ १४॥ ॥ १५॥ ॥ १६॥ ॥ १७॥ ॥ १८॥ ॥ १९॥ ॥ २०॥ ॥ २१॥ ॥ २२॥ ॥ २३॥ ॥ २४॥ ॥ २५॥ ॥ २६॥ ॥ २७॥ ॥ २८॥ ॥ २९॥ ॥ ३०॥ ॥ ३१॥ ॥ ३२॥ ॥ ३३॥ ॥ ३४॥ ॥ ३५॥ ॥ ३६॥ ॥ ३७॥ ॥ ३८॥ ॥ ३९॥ ॥ ४०॥ ॥ ४१॥ ॥ ४२॥ ॥ ४३॥ ॥ ४४॥ ॥ ४५॥ ॥ ४६॥ ॥ ४७॥ ॥ ४८॥ ॥ ४९॥ ॥ ५०॥ ॥ ५१॥ ॥ ५२॥ ॥ ५३॥ ॥ ५४॥ ॥ ५५॥ ॥ ५६॥ ॥ ५७॥ ॥ ५८॥ ॥ ५९॥ ॥ ६०॥ ॥ ६१॥ ॥ ६२॥ ॥ ६३॥ ॥ ६४॥ ॥ ६५॥ ॥ ६६॥ ॥ ६७॥ ॥ ६८॥ ॥ ६९॥ ॥ ७०॥ ॥ ७१॥ ॥ ७२॥ ॥ ७३॥ ॥ ७४॥ ॥ ७५॥ ॥ ७६॥ ॥ ७७॥ ॥ ७८॥ ॥ ७९॥ ॥ ८०॥ ॥ ८१॥ ॥ ८२॥ ॥ ८३॥ ॥ ८४॥ ॥ ८५॥ ॥ ८६॥ ॥ ८७॥ ॥ ८८॥ ॥ ८९॥ ॥ ९०॥ ॥ ९१॥ ॥ ९२॥ ॥ ९३॥ ॥ ९४॥ ॥ ९५॥ ॥ ९६॥ ॥ ९७॥ ॥ ९८॥ ॥ ९९॥ ॥ १००॥ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ॥ १॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ  
 नमो  
 भगवते  
 वासुदेवाय

[illegible]



[illegible]

1957

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]





[illegible]



དཔའི་བསྐྱེད་བྱུང་དང་འགའ་པ་དང་། གསལ་སྒྲུག་ས་བྱི་དམ་ཚིག་དང་འགའ་པ་དང་། ཡུ་མུ་ལ་མ་གུས་པ་དང་། མཁུ་  
པོ་དང་སྒྲོ་བ་དཔོན་ལ་མ་གུས་པ་དང་། རྒྱུ་ས་ཚེས་པ་མཚུངས་པར་སྒྲུ་དཔ་རྒྱལ་ས་ལ་མ་གུས་པ་དང་། དགོན་  
མཚེག་གསུམ་ལ་གནོད་པའི་ལས་བཅྱིས་པ་དང་། དམ་པའི་ཚེས་སྤྱད་པ་དང་། འཕགས་པའི་དགོ་འདུན་ལ་བསྐྱར་  
པ་བཏབ་པ་དང་། སེམས་ཅན་ལ་གནོད་པའི་ལས་བཅྱིས་པ་ལ་སོགས་པ། རྒྱུ་པ་མི་དགོ་བའི་ཚེས་བདག་གིས་  
བཅྱིས་པ་དང་། བཅྱིད་དུ་སྐྱུ་ལ་བ་དང་། གཞུན་གྱིས་བཅྱིས་པ་ལ་རྒྱུ་ཡི་རང་པོ་ལ་སོགས་པ། མདོར་ན་མཐོ་རིམ་  
དང་ཐར་པའི་གཞུང་སྐྱུ་རྒྱུ་རྩིས་འཁོར་བ་དང་རྒྱུ་རྒྱུ་པའི་ཚེས་ལྟར་གི་ཚེས་ཅི་མཆིས་པ་ཐམས་



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

རུབ་དག་ནི་ད་དུས་ཐམས་ཅད་དུ་ཡོང་ཡོད་ཀྱིས་ཀྱང་སངས་རྒྱུ་རྩེ་ཆེན་པོ་རྒྱལ་ཁབ་ཀྱིས་བདག་བཞུགས་ཀྱིས་གསོ་པ། བདག་ལ་དངོས་  
 རུབ་ཐུན་མེད་པར་སྒྲུབ་དུ་གསོ་པ། ཞེས་ཀྱིས་བསྐྱུ་བཅས་ལ་བདག་གི་ལུས་ལྟུང་པར་བསྐྱུ་རྒྱུ་ལ། སངས་རྒྱུ་རྩེ་ཆེན་པོ་ཆོས་དང་ཆོས་ཀྱིས་ཆོས་ཀྱིས་  
 ལུང་། རྩེ་ཆུབ་པར་དུ་བདག་གི་སྒྲུབ་སྒྲུབ་མཆི། ། བདག་གིས་སྒྲིན་མོགས་བཞུགས་པའི་པའི་པའི་རྒྱལ་ཁབ་ཀྱིས་། ། འགྲོ་ལ་ཐུན་ཕྱིར་སངས་རྒྱུ་  
 འགྲུབ་པར་ཤོག། ཞེས་མོགས་ལ་ཆོས་སྒྲུབ་དང་། འགྲོ་རྒྱལ་ཁབ་ཀྱིས་འདྲོད་པས་མ་པ་ཡིས་། ། སངས་རྒྱུ་རྩེ་ཆེན་པོ་ཆོས་དང་ཆོས་ཀྱིས་ཀྱིས་ཀྱིས་། ། རྩེ་ཆུབ་  
 སྒྲིན་པོར་མཆིས་ཀྱི་བར་། ། རྒྱལ་ཁབ་ཀྱི་སྒྲུབ་སྒྲུབ་མཆི། ། ཞེས་པར་སྒྲིན་པོར་ཆོས་དང་ཆོས་ཀྱིས་ཀྱིས་། ། བཅོམ་པས་སྐྱེས་པ་ཅན་  
 དོན་དུ་བདག་། སངས་རྒྱུ་རྩེ་ཆུབ་ཀྱིས་ཐུན་པར་ཤོ། ། རྒྱལ་ཁབ་ཀྱི་རྩེ་ཆུབ་སྐྱེས་པ་ཀྱིས་ཤོ། ། ། ཞེས་ཐུན་པས་ཐུན་པ་ཤོ། །

རྩེ་ཆུབ་

[illegible]

[illegible]

卷之四

པ་ཐུས་པ། ལུང་པོར་པ། རང་གི་དོན་རྒྱུ་ལུ་ཐོབ་པ། ལྷིང་པར་གུ་རུ་སྒྲུབ་པ་ཡོངས་ལུ་བཟད་པ། ཡང་དག་པ་ལྷི་  
བཀའ་ན་ལེགས་པར་རྒྱལ་པར་གྲོལ་པ་ལྷི་ཐུགས་། ལེགས་པར་རྒྱལ་པར་གྲོལ་པ་ལྷི་ཐོས་པ་ཅན་དེ་དག་གིས།  
སེམས་ཅན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་དོན་ཀྱི་ཕྱིར་དང་། བཅུ་པར་བྱ་བ་ལྷི་ཕྱིར་དང་། གོལ་བར་བྱ་བ་ལྷི་ཕྱིར་དང་། ལུ་གེ་  
མེད་པར་བྱ་བ་ལྷི་ཕྱིར་དང་། ཆད་མེད་པར་བྱ་བ་ལྷི་ཕྱིར་དང་། རུང་ལུ་བྱེད་ཀྱི་ཕྱོགས་ཀྱི་ཆོས་རྒྱལ་ཡོངས་ལུ་  
རྒྱུ་ལུ་ཐོབ་པར་བྱ་བ་ལྷི་ཕྱིར་དང་། རྒྱ་རྒྱལ་ལྷི་ཕྱིར་དང་། རྒྱ་རྒྱལ་ལྷི་ཕྱིར་དང་། རྒྱ་རྒྱལ་ལྷི་ཕྱིར་དང་།  
གསལ་སྒྲུབ་ཡང་དག་པར་མཛད་པ་དེ་ཅན་རུ་བདག་མིང་ལྷི་ཆོས་བཀྱི་ལས་ཀྱང་། རུས་ལྷི་ཆོས་བཟུང་སྟེ། རི་ལྷི་

ཐུགས་སྤྲོད་

༡༡ ། སང་ཉི་མ་མ་ཤར་གྱི་པར་དུ ། སེམས་ཅན་ཐམས་ཀྱི་དོན་གྱི་ཕྱིར་དང་། ཡན་པར་བྱ་བའི་ཕྱིར་དང་། གོ་ལ་  
པར་བྱ་བའི་ཕྱིར་དང་། ལུ་གེ་མེད་པར་བྱ་བའི་ཕྱིར་དང་། ཆད་མེད་པར་བྱ་བའི་ཕྱིར་དང་། བྱང་ཆུ་བའི་ཕྱོགས་ཀྱི་  
ཆོས་རྣམས་ཡིད་ས་སུ་རྫོགས་པར་བྱ་བའི་ཕྱིར་དང་། སྤྱོད་མེད་པ་ཡིད་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུ་བ་དེས་པར་  
རྫོགས་པར་བྱ་བའི་ཕྱིར་གསོ་སྦྱོར་ཡིད་དག་པར་སྒྲུབ་པར་བྱེད་ཀྱི་ལྟ་། ཆོས་ལས་གསུམ་པོ་རྫོགས་ཀྱི་ལྟ་། གསུམ་པ་རྫོགས་  
པ་དང་དུས་མཉམ་དུ་རང་གི་ཆུད་ལ་སྒྲིམ་པ་ཐོབ་ཕུར་སྒྲིམ་པའི་དགའ་བ་བསྒྲིམ་། དེ་ཆོས་སྒྲིམས་སྒྲིམ་ཡིན་ཆོ། ཆོས་གསུམ་པ་ལ་ལྟ་  
སོ་ཆོས་པོ་རྫོགས་། དེ་ཆོས་སྒྲུབ་པ་ཤར་ལྟ་བུའི་བྱང་ཆུ་བའི་སེམས་ཀྱི་ལུ་རྫོགས་ཀྱི་ལྟ་། རི་ལྟར་སྒྲིམ་གྱི་དགའ་བའི་པ་རྣམས་ཀྱི་སྒྲིམ་གཞི་ལ་སྒྲིམ་

५२। ५३। ५४। ५५। ५६। ५७। ५८। ५९। ६०। ६१। ६२। ६३। ६४। ६५। ६६। ६७। ६८। ६९। ७०। ७१। ७२। ७३। ७४। ७५। ७६। ७७। ७८। ७९। ८०। ८१। ८२। ८३। ८४। ८५। ८६। ८७। ८८। ८९। ९०। ९१। ९२। ९३। ९४। ९५। ९६। ९७। ९८। ९९। १००।



[illegible]

ॐ पद्मसहस्रनाम। मकुटपद्म। विष्णुमहेश्वर। सुहृत्पुष्पेश्वर। सुहृत्पुष्पेश्वर।  
अत्रुत्तमेश्वर। अत्रुत्तमेश्वर। अत्रुत्तमेश्वर। अत्रुत्तमेश्वर। अत्रुत्तमेश्वर। अत्रुत्तमेश्वर।  
अत्रुत्तमेश्वर। अत्रुत्तमेश्वर। अत्रुत्तमेश्वर। अत्रुत्तमेश्वर। अत्रुत्तमेश्वर। अत्रुत्तमेश्वर।

[illegible]

200

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

१५५७

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

25

[illegible]

[illegible]

ཐག་པ་ཅིང་རལ་བཟང་པོའི་མཉམས་བྲམས་ཅན། འོར་བུས་སྤྱུང་པའི་གསེར་གྱི་སྒྲིམ་པས་དང་ལྡན་པ། རལ་པ་དམར་མེར་གྱི་ཕྱེད་བས་  
མཛེས་པ། དེ་ཙམ་ཅེ་འི་དབུ་རྒྱུན། སྒྲུབ་རྒྱུན། མཁུ་ལ་རྒྱུན། དཔུང་རྒྱུན། ལུག་ག་དུག། ལུག་ག་དུག་ཅན། དར་སྒྲུ་ཚོགས་ཀྱི་ཉལ་བཟུང་  
སྤྱུབས་ཀྱི་དེ་དཔེ་ར་ལྟོ་བར། བར་བསམ་པ་ཀི་ལུག་སྒྱུ་ལྟོ་ལྟོ། དེ་འི་སྤྱི་པོར་ཨོ་དག་པོ། མཁུ་ལ་པར་ལྷུང་དམར་པོ། ལུག་ས་  
གར་རྒྱུ་སྒྲུ་པོ། ལུག་ས་གར་རྒྱུ་པོའི་དཀྱིལ་ལྟོ་པོར་གྱི་སྤྱོད་དུ་རྒྱུ་དག་པོར་འི་ཆ་ཆོག་དུག་དང་བཅས་པ། དེ་ཙམ་ཨོ་དུ་  
ལྷུང་རྒྱུ་ལྷུ་ལྷུ་སྤྱོད། ལེས་བཞེད་ཙམ། ལུ་པ་བཟང་པོའི་པར་ཀྱི་འི་གསེར་གྱི་དམ་རྒྱུས་སྤྱོད་ག་དང་། སྤྱི་མཚམས་དང་། མཁུ་ལ་དང་། དཔུང་  
མཁོ་རྒྱུ་མཉམས་སུ་འཁེལ་ཅིང་བྱིན་གྱིས་བརྒྱབས་པ་ཀི་ལུག་རྒྱུ་ལྟོ་ལྟོ། དེ་ཙམ་ལུག་ས་གར་ཀྱི་རྒྱུ་ལས་ཀྱི་དཔེ་ར་ལྟོ་ལྟོ། རང་བཞིན་གྱི་གནས་ཅན་ས་



[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

གཞིགས་ཞེས་མཆོག་གསོལ་པ། རྒྱལ་པར་བཅོལ་ཕུག་འཆོལ་པ། ཞེས་པས་བསྟོན། དེ་ནས་བཞུགས་པ་ཕུག་པ་བཟུང་པ་ཕྱི་རྒྱུ་ལས་ནི། ཐལ་  
མོ་སྟེང་གསལ་ཐུང་ནས། ཨོྃ་ལྷ་རུ་ས་ཚ་ཏ་ཐུག་ཏ་ཀྲ་ཡ་ཡུ་ག་ཅིན་ཏུ་བཅོལ་ཕུག་མེན་ས་ཚ་ཏ་ཐུག་ཏ་བཅོལ་ཏུ་དབུ་རྒྱུ་ཅི་ག་དེ་མི། ཞེས་ཞུས་  
དང་ལྷ་ཡུ་ག་ཐུག་ཕུག་མཆོལ་བ་ཅི་ན་འདྲ་བ་ཀྱིས་ཡོད་པས་མཐུན་གྱི་ཡེད་པ་སྟེས་པར་བཟུག་ཏུ། ཨོྃ་ལྷ་རུ་ས་ཏེ་ཕྱི་ཡེ་སྟུ་རྒྱ། ཞེས་པ་ལན་བཅུ་དྲུག་ཐུགས་  
ནས་ཕྱི་རྒྱུ་ས་བཟུགས། དང་གི་ཐུགས་ས་ཀར་ཞུགས་པ་ཏིང་དེ་འཛིན་སེམས་དཔའི་མཐར་བཞུག་འཕྱེད་ཀྱི་སྟེང་པ་ཁ་དོག་དཀར་  
པོ་གཡས་སྟོར་ཏུ་བསྟོར་བ་ལས་འདྲ་བེད་འཕྲོས་དང་གི་ལུས་ཀྱི་ནང་ཐམས་ཅད་དག་ཏུ། སྟེན་སྟེན་ཐམས་ཅད་ཐུངས་པ། འདྲ་  
བེད་ཀྱི་འཕྲོས་པ་ལས་ཐུགས་མཛེ་ཅེན་པོའི་རྒྱ་ཆོག་གསལ་དཔག་ཏུ་མེད་པ་ལྟོས། སེམས་ཅན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་སྟེན་སྟེན་



[illegible]



ཕུང་དཀར་པོ་འདྲམ་པ་ཕུང་པ་གསེར་གཞོམ་ལྟར་འབར་བ་རྟེན་ཡིག་གིས་མཆོད་པ་དེ་ལས་འདྲེལ་ལྗོངས་ཀྱི་འཕགས་  
 པ་མཆོད་། སེམས་ཅན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་དོན་བྱས་། རྒྱུར་འདུས་ཡོངས་སུ་རྒྱུར་བ་ལས་། འཕགས་པ་སྦྱར་རས་གཞིགས་  
 དབང་ལྷན་བཞེས་པ་སྦྱུང་དོན་དཀར་པོ་ལང་ཆོད་པ་ལ་བཅའི་འདྲེལ་ལྗོངས་ཀྱི་ལ་བཅུ་གཅིག་གི་ཆོས་ལ་དཀར་པོ་  
 གཡས་ལྟར་། གཡོན་དམར་པོ་། དེའི་སྒྲིང་མ་དབུས་ལྟར་། གཡས་དམར་། གཡོན་དཀར་པོ་། དེའི་སྒྲིང་མ་དབུས་དམར་  
 གཡས་དཀར་། གཡོན་ལྟར་པོ་། དེ་ཆོས་སྤྱིར་སྦྱར་དབུས་འི་ཆོས་ལྷན་ལྟར་འདྲེལ་པའི་སྒྲིང་མ་ཅན་། དེའི་སྒྲིང་ཆོས་  
 ལྷན་ལྟར་པོ་མཆོད་བཅའི་གསེང་ལྟར་ཐོག་ཅེར་དང་ལྟར་པོ་། སྦྱར་གསུམ་པོ་། རལ་པ་དམར་སེར་གྱི་ཆོས་སྦྱོར་པོ་།



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥  
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥  
 श्रीशिवाय नमः ॥ ४ ॥  
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ५ ॥  
 श्रीविष्णुभ्यो नमः ॥ ६ ॥  
 श्रीदेवताभ्यो नमः ॥ ७ ॥  
 श्रीमानुषाभ्यो नमः ॥ ८ ॥  
 श्रीपशुभ्यो नमः ॥ ९ ॥  
 श्रीसर्वभूतभ्यो नमः ॥ १० ॥  
 श्रीसर्वलोकभ्यो नमः ॥ ११ ॥  
 श्रीसर्ववर्णभ्यो नमः ॥ १२ ॥  
 श्रीसर्वजन्तुभ्यो नमः ॥ १३ ॥  
 श्रीसर्वभूतभ्यो नमः ॥ १४ ॥  
 श्रीसर्वलोकभ्यो नमः ॥ १५ ॥  
 श्रीसर्ववर्णभ्यो नमः ॥ १६ ॥  
 श्रीसर्वजन्तुभ्यो नमः ॥ १७ ॥  
 श्रीसर्वभूतभ्यो नमः ॥ १८ ॥  
 श्रीसर्वलोकभ्यो नमः ॥ १९ ॥  
 श्रीसर्ववर्णभ्यो नमः ॥ २० ॥  
 श्रीसर्वजन्तुभ्यो नमः ॥ २१ ॥  
 श्रीसर्वभूतभ्यो नमः ॥ २२ ॥  
 श्रीसर्वलोकभ्यो नमः ॥ २३ ॥  
 श्रीसर्ववर्णभ्यो नमः ॥ २४ ॥  
 श्रीसर्वजन्तुभ्यो नमः ॥ २५ ॥  
 श्रीसर्वभूतभ्यो नमः ॥ २६ ॥  
 श्रीसर्वलोकभ्यो नमः ॥ २७ ॥  
 श्रीसर्ववर्णभ्यो नमः ॥ २८ ॥  
 श्रीसर्वजन्तुभ्यो नमः ॥ २९ ॥  
 श्रीसर्वभूतभ्यो नमः ॥ ३० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

*(Faint handwritten text)*

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷八

[illegible]

[illegible]

५२०

[ वदवापदवोरससुवासोप ] [ वदवापदवमरेवासुवासोमसठककमस ] [ सुवदुवापेवपरीमकैपस  
 वसुपदुवासोप ] [ वसुपेवकुकेसुमेवपुदकुवसोमस ] [ सुवदुपुदपुसुवममदरेदुवासोप ] [ सुवामेदकस  
 वसवापसपदकैककमस ] [ सुवापेवरेकवपुसुवदुवापमदकस ] [ सुवापेवरेपुवापकुदसपदवा  
 पदवपुवकमस ] [ वदेवठकपु <sup>मरे</sup> किरदुदुदुवासोप ] [ पदपवामेवमपुठ सुकसपवावेवापदपदकीस ]  
 कैरपसपुदुदुवपेवपरीममेवमदकस ] [ मकैरपमववदपेवापपदवसुठकसपुद ] [ सुवदुसदसकुस  
 सपवकुवापुवासोप ] [ कुसवापुदपुवापदुवापेववासोपपुदवा ] [ देकसवापेवमपुपवकी ] [ यिदम ] [ कसपुद ] [ गकु

पु.पु.





[illegible]

94

གསུང་རྒྱུ་ལ་བརྒྱུད་པའི་ལོ་རྒྱུས་ལས་ཕུང་བས་དེ་ལ་སོགས་པའི་དག་ར་ཕྱོགས་ལ་དག་པའི་རྒྱ་རྒྱུ་རྒྱལ་བཅོད་སོགས་འཛིན་རྟེན་པ་རྣམས་ལ་བསྟོན་  
ལ། དེ་བཞིན་ག་ཤེགས་པ་རིན་ཆེན་མང་ལ་ཕུག་འཆའ་པོ། ། དེ་བཞིན་ག་ཤེགས་པ་ག་ཟུགས་སངས་དཔལ་ལ་ཕུག་འཆའ་  
པོ། ། དེ་བཞིན་ག་ཤེགས་པ་སྒྱུ་འཇམ་གྲུས་ལ་ཕུག་པ་ དེ་བཞིན་ག་ཤེགས་པ་འཛིན་ས་པ་བཅས་ཅད་དང་བྱལ་བ་ལ་པ་མ་གཞི་  
བདག་ལ་སོགས་མཐུ་ལྟ་རྟེན་བརྒྱུད་རྣམས་། ། འདྲོད་ཡོན་ལྷ་ལྷ་རྣམས་ཆོད་གཏོར་འདྲི་བཞེས་ལ། ། བསྟར་དང་བདག་སྒྲུ་  
འག་ལ་རྟེན་རྒྱུ་ཆེན་ཆེད། ། ཆོས་ལྟར་བསམ་དོན་ཡིད་བཞིན་འགྲུབ་པ་རམ་རྟོ། ། ཅེས་འཕྱིན་ལས་བཅོམ་དེ་རྣམ་དཔེ་སྒྲུ་མཐོང་  
ལ་ལྟོ་ཤིག་ཟུགས་མཚན་གར་པ་ལ་ཕུག་གསལ་ཆེད། ། མོམ་དོན་ལ། དང་གི་ཕུགས་གཞན་སྒྲུ་པའི་རྣམ་པ་བདུད་རྩི་ལྟམ་པ་ཤེགས་པ་

[illegible]

[illegible]

6/12/34

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यं मे भगवन्नेवमेवमवदत्तं दमकेन पश्येत्तु कुरुष्व रदयस्त्रिभुवनं परमं ह्यहम् ॥  
 भूतान् भुवनेषु च ॥ यदस्मिन्नेवमेवमवदत्तं दमकेन पश्येत्तु कुरुष्व रदयस्त्रिभुवनं परमं ह्यहम् ॥  
 ह्यहम् ॥ यं मे भगवन्नेवमेवमवदत्तं दमकेन पश्येत्तु कुरुष्व रदयस्त्रिभुवनं परमं ह्यहम् ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यं मे भगवन्नेवमेवमवदत्तं दमकेन पश्येत्तु कुरुष्व रदयस्त्रिभुवनं परमं ह्यहम् ॥  
 ह्यहम् ॥ यं मे भगवन्नेवमेवमवदत्तं दमकेन पश्येत्तु कुरुष्व रदयस्त्रिभुवनं परमं ह्यहम् ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यं मे भगवन्नेवमेवमवदत्तं दमकेन पश्येत्तु कुरुष्व रदयस्त्रिभुवनं परमं ह्यहम् ॥  
 ह्यहम् ॥ यं मे भगवन्नेवमेवमवदत्तं दमकेन पश्येत्तु कुरुष्व रदयस्त्रिभुवनं परमं ह्यहम् ॥

[illegible]

1221 | ལོ་མཉེན་ཆད་མཐོང་ཐོས་སུ་མ་གྱུར་པས། དེ་འདྲི་དེས་པས་ཐོས་ཐྱིར་ལག་ལོན་དག་ཞུགས་ལ་ཡང་བརྟེན་ནས་མཆི་པས་ཡང་མི་  
 མིན་པ་བཟང་རམ་སྟེ། ཚོགས་སྤྱོད་ཅས་མ་ཡིན་པར་བསྟོམ་པ་ཁོ་ཀྱུར་ན་མཉེན་སྤྱོད་ཚོགས་པ་མོས་ཀྱང་། དེ་ཅི་མཉེན་ཞུགས་ཆེ། ཚོགས་འདོན་པ་  
 དང་བསྟུན་ཡིན་ཀྱི། དེ་དེ་མཉེན་སྤྱོད་འདྲི་དེ་མིགས་པས་གཡོང་བར་བྱེད་དགོས་པ་ལྟར་དཔེ་ཐོས་ཐོས་མཆད་པ་འདྲ། གྲོལ་པའི་ཚོགས་པ་སྤྱོད་དེས་གས་  
 ནས་ཐོར་ཐུག་གཏོང་ཞིང་། སྤྱོད་གནས་ཞུགས་ཐུག་ནས་གཏོང་ན་སྤྱོད་བཀའ་ཉིས་པའི་ཚོགས་པ་ཐོར་ཐུག་གཏོང་འཆོས་ས། གས་སྤྱོད་གི་སྤོང་དང་  
 རྩེས་གཏོང་དུ་བཏང་ཡང་། བཅས་པ་དང་འགལ་པའི་ཉེས་པ་མི་འབྱུང་བས་ཁྱུང་པར་མེད་ཀྱང་དང་དང་གི་སྤྱོད་མཐོང་བཟུང་ལག་ལོན་ཀྱི་རྩེས་སྤྱོད་འདྲི་ཆེ་  
 གཙང་པས་དེ་བཞིན་དུ་ལ། དེ་ཆེ་ཀྱང་སྤྱོད་དེས་མ་གས་གོང་དུ་བཏང་ན་ཐུ་དྲི་བ་བས་ཀྱི་ཉེས་པར་འབྱུང་བས་དེ་དྲི་དུས་འཆོས་ས་ཟིན་པ་དགོས། སྤྱོད་  
 གནས་ཀྱི་བསྟུན་པའི་སྤྱོད་པས་དང་། བསྟུན་པའི་སྤྱོད་པས་གས་ཡིན་ཀྱང་འདྲ་བས་གཉིད་དང་སྤྱོད་པ་འདྲ། རྩིད་པ་དང་། ལྱུང་པ་དང་། ཐོས་པ་ཀྱི་གནས་དང་

རྩིད་པ་དང་།  
 ལྱུང་པ་དང་།  
 ཐོས་པ་དང་།

[illegible]

[illegible]

金

[illegible]



30

མི་སྤྱི་པོ་འདི་བཏོན་པས་བྱང་ཆུ་བ་སེམས་པ་པའི་རྒྱལ་པར་ཐུང་པ་ཆུ་ལ་བ་སེམས་ཅད་ཀྱི་སྤྱི་ཐེ་འཇུག་པ་ཡེ་མེས་ཀྱི་སྤྱི་པོ་ཞེས་བཅུ་བཅོམ་པ་  
 ལ་མེས་མོ། མད་དག་བཅིང་བས་བཅིངས་པ་རྒྱལ་པར་། མད་དག་བཅིང་བ་ལ་ཐུག་པ་རྒྱལ་པར་། ཆུ་པར་། ཞུགས་པར་། ཐུག་པ་ལ་རྒྱལ་པ་ལྟ་ཆོག་ལ་  
 ཁྱིམ་ཆེན་པའི་སེམས་ཅན་སེམས་ཅན་ལ་བདག་གིས་སྤྱི་པོ་འདི་གཞིས་པ་དང་། བཟུབ་པ་དང་། ཐུབས་དང་། དཔུང་གཞིན་ཕྱོད་། གནོད་ཕྱིན་དང་། སྤྱི་པོ་  
 རྒྱུ་བ་རྒྱལ་པར་སྤྱི་པོ་འདིས་བཀུག་པ་རྒྱལ་པར་སྤྱི་ཐེ་འདི་སེམས་ལུ་བཅུ་ཐེ། སྤྱི་ཐེ་པ་ཡང་དག་པར་ཆོག་པའི་བྱང་ཆུ་ལ་འགོད་པར་  
 ཕྱི་ལོ། བཅོམ་ལྟ་འདས་བདག་གི་སྤྱི་པོ་འདི་ཆེ་ལྟར་ཐུ་ལ་ཆེ་བ་ལ་གསལ་མོ། ལན་གཅིག་བཟོད་པས་ཆུ་བའི་ལྷང་བ་བཞི་པོ་དག་ཀྱང་བྱང་པར་འགྱུར་  
 མཆོམས་མཆོམས་པ་ལྟ་པོ་དག་ཀྱང་མཁུལ་པར་བྱང་པར་འགྱུར་ན། ཇི་སྐད་བཟུལ་བ་བཞི་ལྟ་ཆོན་ཆོན་བཅུ་པ་སྤོས་ཀྱང་ཆི་ཆི་ལ། དེ་དག་གི་

ཁྱིམ་ཆེན་པའི་  
 རྒྱུ་བ་རྒྱལ་པར་

[illegible][illegible]

10

[illegible]

ཉིད་པེ་འཛིན་གྱི་སྟོན་མཁུར་འབྲེལ་པོ། འོད་ཟེར་གྱིས་དབང་བསྐྱར་པའི་སྟོན་མཁུར་འབྲེལ་པོ། མ་དང་མ་རོ་ལ་དུ་བྱིས་པ་ཡང་ཡོངས་ལུ་རྫོགས་པར་འགྱུར་རོ།  
 ཞེས་ལོགས་གསུངས་པ་ལྟར་མཚ་ཡོན་ལྷན་པར་ཆེ་ཞིང་། འཕགས་པ་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་འདི་ནི་དུལ་པ་ལྷན་གྱི་སྟོན་རྗེའི་རང་གསུགས་ཡིན་པས། ཉམ་  
 ཐག་པའི་འགྲོ་བ་རྣམས་ལ་ཐུགས་རྗེའི་སྐྱེལ་གྱིས་འགྲུབ་སྟོབ་ཀྱི་བ་དང་། དམ་ཆོས་པ་རྣམས་པོ་ལས། མངས་ཁྲུལ་གསྐྱེའི་ཁྱུང་དུག་ཙུག་གིས་གྱེ་བ་  
 སྟོད་གྱི་དུལ་གྱི་གྲངས་དང་མཉམ་པ་ལ་མཚན་ཅིང་། འཕྲོད་པ་དང་། འཕགས་པ་ལྷན་རལ་གསེགས་ཀྱི་མཚན་ཙམ་འཛིན་པ་དང་། དེ་ལ་ཐུག་ལེན་གཅིག་  
 ཙམ་ཁྲུལ་པ་མཚ་ཡོན་མཉམ་པར་གསུངས་པ་ལོགས་ལ་ཡིད་ཆེས་པར་བྱས་ཏེ། ཡིད་མ་གྱི་ལྷ་བྱུང་པར་ཅན་འདིའི་འཕྲོད་པ་མཚན་མེད་གྱི་དུལ་འཕྱུར་ལ་  
 འཕྲོད་པར་བྱས་ནས། དང་དང་གཞན་གྱི་གནས་སྐོབ་མཐུན་ཐུག་གི་དོན་ནས། མཚན་དང་བྱུན་མོད་གི་དངོས་གྲུབ་སྐྱེས་པ་ལ་འཕྲོད་པར་བྱའོ།།

རྒྱུ་ལྟར་

༡༢༡། །གཅིག་ཏུ་དཀར་པའི་སྒྲིང་མེ་ཉི་མའི་རི། །ལས་ཀྱི་རིས་ཚོ་ལྷུང་གསུམ་གྱི་ཁུང་བཞི་ལྟར། །ཆ་ཤས་ཀྱིས་ཁུང་ལུས་ཅན་  
མཐུང་དག་གི། །རིམ་ལེགས་མཛད་པའི་མགས་པ་ལྷན་རལ་གཟིགས། །མགོ་དེ་བསྐྱོན་པའི་ཚོགས་དཔལ་མའི་ལུགས། །རྒྱལ་དག་བརྒྱུད་པའི་  
སྒོལ་བཞིན་བཀོད་པའི་དགོས། །སྒོན་བསགས་སྒྲིག་སྒྲིབ་བཀ་ཆ་གས་བཅས་དག་ཅན། །སྒྲིག་སྒྲུམ་དཔེར་མེད་ལ་པད་བར་ཁྱུར་ཤོག།  
སྒྲིག་པའི་བུ་བཞིན་ཁུངས་མེད་སྒྲིབ་པའི་བར། །ཡན་པད་གསལ་པམ་རྒྱུར་པའི་སེམས་ཅན་ལྟར། །རྒྱུ་ལྟར་སྒྲིག་རལ་གཟིགས་ཀྱིས་  
བསེས་མཛད་དོ། །བདེ་བ་མཚོ་ག་གི་གནས་ལ་ཁྱུར་རེག་ཤོག། །ཅེས་པའི་གསལ་བུ་གསལ་མཛད་ཅེས་པོ་ལྟེན་པ་ཁུང་དཔེ་དཔལ་པ་མོ་  
ལུགས་ཀྱི་སྒྲུབ་ཐབས་ཁྱུར་བར་གནས་པའི་ཚོགས་བུ་ལྟེན་པ་དང་བཅས་པ་ཡན་པདའི་སྒྲུབ་ཐབས་ར་དེ་མཚེས་བུ་བའི་ནི་བསྐྱུན་པའི་གསལ་བུ་མཛད་པ་

པའི་དུ་ཐུག་ཐུ། ལྷག་ཡུ་ལྷུ་ལ་ཐོ་བཟང་བསྟན་པའི་རྒྱལ་མཆོག་ཆོས་འཁོར་རྒྱལ་མཁའ་བཀྲུས་སྟེ་རབ་འབྱུང་མས་བསྟེན་པ་བཟང་རབ་རྒྱལ།  
ཕྱོད་ལྷོ་བདེ་འཕགས་ར་འཕྲི་དག་པའི་ཐུགས་བརྒྱུད་པ་ལྷི་ཆོག་མཁའ་དང་། འབྲས་ལྷུངས་སྟོ་མར་བཞུགས་པའི་སེ་རྩམ་རྒྱལ་དེ་དེའི་མོག་དག་པ་འུ་  
ལྷ་ལྷུ་བ་རྒྱལ་ཆོ། བདེ་ཡངས་རབ་འབྱུང་མས་པ་སྟོ་བཟང་དོར་ལུ་ལོག་མཆོས་བསྟེན་པ་འཕྲུག་པར་བརྟེན་བཞུགས་པའི་ཆོས་འཁའ་ལྷུ་ལྷུ་བ་རྒྱལ་ཆོ།  
ནས་དང་སྟོ་བཟང་དང་ཕྱོད་པའི་པའི་ལམ་པན་པའི་སེ་ཆོ་མཆོག་ལྷུངས་ལྷི་ལ་བསྟེན་པ་ལྷུངས་ལྷུངས་པར་བརྟེན། དཔལ་མགོན་འཕགས་པ་ལྷ་ལྷུ་བ་དང་། ལྷུ་  
བརྟེན་དཔལ་མོས་མཛད་པའི་རྒྱ་གཞུང་ལོག་མཁའ་ལ་གཞིགས། གཙོ་ཆེར་ལྷུག་ན་པ་སྟོ་བཟང་ཆུང་མཁའ་ལྷུ་ལྷུ་བ་དག་འདུག་རྒྱལ་ཆོས་མཛད་པའི་ལྷུ་བ་  
ཐུབ་པ་འདུག་པ་བདེ་བར་བརྟེན་དང་ལོ་ཆེ་བར་འདུག་པ་མཛད་པའི་གཞིར་བཟུང་། མཁའ་ལྷུ་བ་ཆུང་ཕྱོད་གཞིན་ལྷུ་ལྷུ་བ་མཛད་པའི་ཆོག་དང་། དཔལ་པའི་

[illegible]

卷九

བསྐྱུལ་ཞིང་། །འཆི་བ་མི་རྟག་རལ་ལོང་འཛིན་པ་སྐྱུ་ག་གིས། །ཡིད་འབྱུང་སྐྱུ་ལས་འགྲོ་དཀར་རྟག་པས་འབྲས་ལ། །ཡིད་ཆེས་  
སྤང་དོར་ཚུལ་བཞིན་བྱེད་པར་ཤོག། །སྐྱུ་ག་ཐད་ཀྱིས་དམིགས་ཀྱིན་འབྱུང་པས་ཀྱིན་གྱིས། །འཁོར་བར་འབྱུང་པ་ཚུལ་ལས་  
པ་བརྟན་ཀྱིན་ཀྱིས། །མིད་པའི་མཚན་རྟག་ལས་ཤོས་ཤུགས་དྲག་གིས། །བསྐྱུ་བ་ག་སྐྱུ་མ་རྟག་དག་ཚུལ་བཞིན་རྟམ་པ་ལོན་  
ཤོག། །རྒྱ་འབྲས་མཚན་པ་བདུན་ལྟ་ལམས་བསྐྱེད་ཀྱིས། །ཁྱིམ་རྒྱ་གོ་ལྷོད་པ་ལྷི་བསྐྱུ་བ་དང་། །ཁུད་པར་ཆེ་ལྟ་ག་ཟུར་འབྲེལ་  
ཏིང་འཛིན་ལོགས། །ཐུན་ལོང་པས་གྱིས་རྒྱ་དྲ་སྐྱུ་ལས་སྤོད་རུང་ཤོག། །རེས་དོན་རྒྱ་འཛིན་པའི་བཀའ་འཛིན་གྱིས། །རྟམ་  
དག་དབང་གིས་བདག་རྒྱ་དྲ་སྐྱུ་ཀྱིས་ཐུས་ཤིང་། །དངོས་གྲུབ་ཆེ་བ་དམ་ཆེན་སྤོམ་པ་རྟམ་པ། །འཆི་བའི་སྐྱུ་ག་དང་བསྐྱེད་ཀྱི་



120

བསྐྱེད་པར་གྱི་ རྒྱུ་མཆོག་གྱུར་སྒྱུ་ ལྷན་རལ་གྱི་གསལ། ། རལ་པ་ལྷན་ཡངས་བསྐྱེད་ ལྷན་དངས་  
 ལྷན་མཆོད་སྒྱུ་ལ། རྒྱུ་མཆོག་གྱུར་སྒྱུ་ ལྷན་རལ་གྱི་གསལ། ། རྒྱུ་མཆོག་གྱུར་སྒྱུ་ ལྷན་རལ་གྱི་གསལ།  
 པར་གྱི་ རྒྱུ་མཆོག་གྱུར་སྒྱུ་ ལྷན་རལ་གྱི་གསལ། ། རྒྱུ་མཆོག་གྱུར་སྒྱུ་ ལྷན་རལ་གྱི་གསལ།  
 ལྷན་མཆོག་གྱུར་སྒྱུ་ ལྷན་རལ་གྱི་གསལ། ། རྒྱུ་མཆོག་གྱུར་སྒྱུ་ ལྷན་རལ་གྱི་གསལ།  
 རྒྱུ་མཆོག་གྱུར་སྒྱུ་ ལྷན་རལ་གྱི་གསལ། ། རྒྱུ་མཆོག་གྱུར་སྒྱུ་ ལྷན་རལ་གྱི་གསལ།  
 རྒྱུ་མཆོག་གྱུར་སྒྱུ་ ལྷན་རལ་གྱི་གསལ། ། རྒྱུ་མཆོག་གྱུར་སྒྱུ་ ལྷན་རལ་གྱི་གསལ།  
 རྒྱུ་མཆོག་གྱུར་སྒྱུ་ ལྷན་རལ་གྱི་གསལ། ། རྒྱུ་མཆོག་གྱུར་སྒྱུ་ ལྷན་རལ་གྱི་གསལ།

ཞི་ 11

[illegible]

[illegible]

ཅིག་དང་། ། ཤིས་བརྗེད་ཕྱིར་བ་བདག་གིས་བསྐྱུག་པར་བྱ། ། དུས་གསུམ་བདག་ཤིག་ས་སྐྱ་གྱི་ཐུག་སུམ་རྗེ་ལ། ། རྒྱུ་ན་  
 རས་ག་ཟིག་ས་དབང་ཞེས་བྱ་ར་མཆོག་གསོལ་ནས། ། ཡིད་བཞིན་ཆོ་རུ་རྒྱ་ར་འདྲོད་དགུ་འི་ཆ་ར་འཁོལ་ས་པའི་། ། བསྐྱེ  
 མེད་སྐྱུ་བས་བྱི་དམ་པ་ལ་ཐུག་འཆོལ། ། འཕགས་པ་རྗེས་བཟུང་དག་སྤྱོད་དཔལ་མ་དང་། ། ལྷ་བཅའ་ཆོ་རུ་ཡི་ཤིས་  
 བཟུང་པོ་དང་། ། པོ་རུ་བ་དང་ལྷ་བཟུང་པ་མཆོག་གསོལ་ས། ། དེས་དང་བཟུང་པའི་སྤུ་མ་མཆོག་རྒྱུ་ས་ལ། ། དག་  
 མཆོག་རྗེ་སྤྱོད་མཆིས་པའི་བསྐྱེ་ཤིས་དེས། ། བྱུང་བྱི་མི་ཤིས་མཆོག་མ་སྐྱ་ན་ཟད་ཅིང་། ། བདེ་ལོགས་ལ་ར་འོ་  
 ལྷ་རྒྱ་ར་འཁོལ་བྱ་ར་ནས། ། རྒྱུ་ཆོག་ས་དཔལ་ལ་ར་ལ་པའི་བསྐྱེ་ཤིས་ཤིག་། ། བདེ་ག་ཤིག་ས་སྤྱོད་བ་མ་ཐུང་

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।  
 श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता  
 युयुत्सवः मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सज्जन-  
 मानसाः । अर्जुन उवाच । द्रुपदमुनिं शिष्यमात्म-  
 ज्ञानविभूतिमानं विसृज्य धर्मध्वजं ध्यामहे ।

ལས་སྒྲོལ་པར་ཤོག ། ཅེས་ལན་གཅིག་བཟླ་དལ། རྒྱལ་ཁྲིམས་རྒྱལ་དག་གི་གཟུངས་ཅེས་གཅིག་བཟླ་འོ། ཅེས་གསལ་སྒྲོལ་པར་ཤོག  
བཟུངས་པ་འདི་ནི་དོན་ག་ཅེས་ཅན་སྒྲོ་དམན་འགའ་ལུང་པན་པའི་ཕྱིར་དུ་བཀའ་འཁྱུར་བས་རྒྱ་ག་པས་མ་བཟང་པོས་བྲིས་པའོ། །  
འི་ལྟར་སྒྲོན་གྱི་བདག་ཤེས་སྤྲིས། ། སེམས་ཅན་སྤྲིན་གྱི་དོན་གྱི་ཕྱིར། ། བྱུང་བ་ཆོས་སྤྲིན་ཆོས་པ་དང་། སྤྲིམ་དུང་  
རྒྱལ་པོ་བཟླ་ཕྱིར། ། གསལ་སྒྲོལ་དེས་པར་མཛད་པ་ལྟར། ། བདག་གྱུར་དེར་ནས་སངས་ཆོས་སྤྲི། ། ཁྲིམས་པར་གྱི་བར་དུ།  
གསལ་སྒྲོལ་ཡང་དག་སྒྲིང་བར་བཟླ་འོ། ཅེས་གསལ་ལན་ཕྱིར། ཅེས་པ་ཐག་མཚུངས་ནི། བྱུང་ལས་བྱུང་ཅེས་པ་ཕྱག་ཏུ་  
དང་། ། སྒྲོན་འགྲོའི་བཅའ་ཐབས་རྒྱལ་པ་ཕྱག་ཏུ་སྤྲིས་པར། ། རྒྱ་དུག་རྒྱལ་འཁྱུར་མཆོད་བསྐྱོད་བཟླས་པ་སོགས་།



॥३३॥ । कद'पु'वा'क'र'र'पु'वा'के'स'प'के'म'के'स'प' । । सु'व'स'पु'वा'कु'म'स'त्रि'सु'क'सु'र'म'स'प'वा'प'व'म'स'वा'स' ।  
 द'र'स'वा'के'र'सु'व'च'द'मे'द'प'कु'क'वा'के'र'प'स' । । सु'वा'प'सु'द'सु'द'र'नि'प'र'सु'कु'सि'वा'के'म' । । व'च'र'व'दु'र'सु'द'  
 प'रि'के'स'प'म'पु'स'व'म'वा'स' । । वा'के'र'कु'वा'स'कु'म'वा'ये'र'प'वा'रि'द'व'र'स'र'व'स' । । कु'प'ि'कु'प'र'पु'र'रि'र'र'के'क'  
 म'ि'वा'स'प'के'र' । । के'वा'क'द'पु'वा'व'सु'स'व'हे'र'वा'ये'प'व'द'र' । । पु'वा'द'र'व'सु'र'v'पु'स'त्रि'र'दु'वा'सु'र'v'स'वा's' । ।  
 कु'प'm'पु'क'm'पु'वा'स'के'र'v'स'p'स'v'स'v'च'द'v'म'वा'स' । । सु'क'सु'र'र'के'के'र'पु's'र'वा'सु'द'p'के'र' । । वा'स'सु'द'v'  
 सु'द'कु'द'p'v'सु's'म'र' । । सु's'त्र'र'म'i'v'सु'r'v'वा'के'r'सु'd'p'य'i's' । । के'र'वा'r'r'दु'वा'p'रि'के's'p'v'v'p'u'v' ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

རྒྱུ་རྒྱུ་ལ་ལས་ལ། བཞུགས་པར་སྐྱེ་བ་ཡི་རྒྱུ་རྒྱུ། ། མི་ལ་ཕྱུག་ཕྱོགས་རྒྱལ་ས་ཆེ་བ་དང་། ། ཆོ་རིང་ཆད་མེད་ཕྱུག་  
སྐྱེ་མཁོ་གསལ། ། རྒྱལ་རྒྱུ་ལ་དེ་དང་ལྡན་ཕྱུག་རྒྱུ་རྒྱུ། ། ལྷ་མོས་ལས་ལ་ཕྱུག་རྒྱུ་རྒྱུ། །

[illegible]



天啓

[illegible]

ལྷན་རལ་གཟིགས་དབང་འཁོར་བཅས་ཀྱིས། །ལྷོགས་པ་ལྷུས་ཆིང་མཆོག་བདེ་བ་ཅན་ཕྱིན་ནས། །ལམ་  
མཆོག་མ་ལྷུས་ཡོངས་སུ་རྒྱ་ནས་པར་བྱོག།

॥



ཤོག་གྲངས་ 1 ན་ 7 བར་ཆད།  
missing page

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।  
 एतद्भक्त्यनुष्ठानं कुरुष्व ॥ १ ॥  
 अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥  
 ध्यायेत्पुनः पुनरित्थं  
 श्रद्धापूर्वकं यदा  
 कुरुष्वैतदङ्गुलम्  
 तदा मुक्तिर्भवति ॥

ॐ  
परिहस्यते रदकुपयस्येयस्य । वानिमुवा मुकपरिकेयस्य त्रिसमेस इवकुपयस्य । रदेकवास कुमकरी कदकुम  
मेसमुद । रकुपकेकपेसरेपेसक रवोदकक । अवादेवा मुददमर रकुपयस्य रवोदकक । रवदवा मुदपरी  
मुदपयस्य मेसवचिर । रदेकपमेसदवा देर रदुरी रपेसमु मुद । रमुवा मुदपयस्य पारी रदमहक र मुदपयस्य । मे  
पयस्य मेसरी मुवा के मुदकक । कुपयस्य सयि मुकके रवोदकक । प्रियी मेर मुरी रदकी मुदकक । मुकक र मुवा स  
परी मुदकी मेदकक । रदे मुरी मुवा मुदपयस्य मेसवचिर रदवा । रमेसपरी यिदम त्रिसा मुवा य मुद । रमुवा मुदपयस्य  
ददपमुस कस मुमेस मुद । रमेसपरी रदपयस्य रदवा स कके वा मे वदेक । रदवा स कके रवोदक मे कदके यदवा स

[illegible]

[illegible]



[illegible]

सुविधा

[illegible]

[illegible]



ਸ੍ਰੁਪਦੁਸਾਸੰਘਾ । ਸਦਯਾਕਰੁਕਪੁਸਦਯਾ । ਸਾਧਾਨੀ ਸ੍ਰੋਸਤ੍ਰਿਸ । ਦਧਾਪ੍ਰਕਸ਼ੁਕਸਰੀਕੁਸਪਰ । ਭ੍ਰੁਗਾਵਸਾਕੁਸਪਰਦਯਾ  
ਪਰੀ । ਘੋਰਕੁਸਾਨੁਕਸਮੀ । ਸ੍ਰੁਧਾਨਾਪੁਰੁਕੁਕੁਲੇਸਪਕਸਾਸੁਦਪਰਪਤੀਰੋ । ਕੁਲੇਸਪਰੀਪਰਾਪਕਸਾਸੁਮ । ਦੇਰਕਸਾਸ੍ਰੋਧਾਕੁਚੇਕੁਲੇਸਪ  
ਕਸਾਸ੍ਰੋਧਾਪਰਮੋਧ । ਭੀਭਾਭਾਸ੍ਰੁਕੁਲੇਸਪਕਸਾਸ੍ਰੁਧਾਨਾਸ੍ਰੁਕੁ । ਕੇਰਕਚਿਧ । ਸ੍ਰਿਸਾਨੀਕੁਪਸ੍ਰਿਸਾਨਾਕਸਾਸ੍ਰਿਕੁਕੁਧਾਨਾਸ੍ਰੋਧਾ ।  
ਸ੍ਰੁਧਾਨਾਪੁਰੁਕੁਸਾਨੁਕਾਸ੍ਰੁਕੁਕੁਲੇਸਪਕਸਾਦੇਵਕਿਕੁਪਦਯਾਸੀਸਾਸ੍ਰੁਪੁਸਾਨਾਸੰਘਾ । ਫੇਲੇਦਸੁਦਯਾਕੁਲੇਸਪਕਸਾਪਰੁ । ਸਾਧਾਨੀ  
ਸ੍ਰੋਸਤ੍ਰਿਸ । ਘੋਰਕੁਕੁਲੇਸਪਕਾਸ੍ਰੋਧਾ । ਕੁਕੁਸਾਨੁਕਾਸ । ਕੁਕੁਸਾਨੁਕੁਲੇਸਪਕਸਾਸੁਮਦਯਾਸੰਘਾਪਰਦੇਵਸਾ ।  
ਸ੍ਰੋਧਾਪਰਕੁਪਾਪਰੀਦੇਵਸਾ । ਫੇਲੇਦਸੁਦਯਾਕੁਲੇਸਪਕਸਾਪਰੁ । ਘੋਰਕੁਕੁਲੇਸਪਕਸਾਸੁਮਦਯਾ । ਘੋਰਕੁਕੁਲੇਸਪਕਸਾਸੁਮਦਯਾ । ਘੋਰਕੁ

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]



